१ शैव दर्शन

२ उत्पल स्तोत्रावली ।।

२) भगद्गीता -

𑆎𑆀 𑆱𑇀𑆮𑆱𑇀𑆠𑆴 𑇆 𑆎𑆀 𑆤𑆩𑆾 𑆓𑆶𑆫𑆮𑆼 𑇆 𑆤𑆩𑆂
𑆯𑆴𑆮𑆳𑆪 𑇆 𑆎𑆀 𑆪𑆱𑇀𑆩𑆴𑆤𑇀 [illegible]
[illegible]
[illegible] 𑆤𑆩𑆂 𑇆 𑇑 𑇆
[illegible]
[illegible]

2

KRISHEN LAL KALLA
B Sc; M.A. (Gold Medalist)
Research Scholar, Prof and
Head Deptt. of English,
.... College; Srinagar (Kmr.)

5

यस्याङ्घ्रिरेणुः पूलीयततस्तात्प्राद्गभे
पदमो ॥ ७ ॥ तस्यात्मान्दद्विभे
पद्मेष्वनकद्रुवलवला: । यतस्तु
सप्रिं भवं स्वान्तिमकोतिम ॥
१० ॥ तमपिप्रद्रवेन्सठाव
३
भवलोकयन्तु । भयभञ्जनवानु

यमुष्टेयं त्वा मतिः त्रातः ॥ १० ॥
नकवेकवतमेतिवसतदस्तु
श्रमनता, यतोतियेगमंसमानु
सामीकितिविस्मयः ॥ ११ ॥
स्तमुदृढ़िमंस्तुयंमोसुपस
वक्ष्मा, वंद्वृवंसदमाद्वंतुं

𑆥𑇀𑆫𑆠𑆴𑆥𑆢𑇀𑆪𑆠𑆼 ॥ 𑇐𑇓 ॥ 𑆃𑆮𑆣𑆷𑆪
𑆓𑆬𑆁𑆩𑆤𑇀𑆣𑆑𑆳𑆫𑆑𑆫𑆶𑆫𑆶𑆩𑆢𑇀𑆣𑆴𑆠𑆩𑇀
𑆑𑆤𑇀𑆢𑆫𑇀𑆥𑆱𑇀𑆪𑆪𑆴𑆤𑆵𑆠𑆫𑆶𑆑𑆫𑆶𑆫𑆶𑆁𑆣𑆫
𑆱𑇀𑆪𑆩𑆳 ॥ 𑇐𑇘 ॥ 𑆑𑆤𑇀𑆢𑆫𑇀𑆥𑆳𑆥𑆂 𑆥𑆶
𑆪𑆠𑇀𑆫𑆼𑆪𑆂 𑆑𑆼𑆮𑆬𑆁 𑆩𑆾𑆃𑆬𑆳𑆥𑆶𑆠𑆼 । 𑆠𑆱𑇀𑆩𑆴𑆁
𑆬𑆶𑆥𑇀𑆠𑆮𑆴𑆬𑆥𑇀𑆫𑆾𑆱𑇀𑆩𑆵𑆠𑆮𑆳𑆟𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆠𑆴𑆥

सुते ॥ १५ ॥ चतुर्थे तृतीये पिठवः
मचक्षुर्गुणे मदनम् । तथेव
कम मिर्त्रस्वरस्मान्यपल मुनते
॥ १६ ॥ तत्रैपलद्धिः सततेडिप
ममहिमाहिली । किंचित्प्रमुष्य
सुसतम मुत्तेपामस ॥ १७ ॥

𑇑

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०३ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

𑇕

[illegible] ॥ ७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ऽप्युल्लसद्भुमितेजिह्वबृन्दा
गिसरमा ॥ ७२ ॥ तस्यतथ्विम
न्दैर्विभूलीनममितॊस्फुरे। ऽपि
धूपप्रवृत्तस्थः धूमधूः शशा
वतः ॥ ७५ ॥ तस्याङ्कुशवलंभ
त्वः अचञ्चलमालिनः धूपवृ

13

[illegible]

[illegible] ॥ ३१ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ३२ ॥

[illegible]

२ [illegible]

15

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆔𑆳𑆠𑇀𑆱𑇀𑆪𑆠𑆠𑇀𑆡𑇀𑆮𑆳𑆠𑇀𑆥𑇀𑆫𑆠𑇀𑆪𑆑𑇀𑆰𑆴𑆥𑇀𑆠𑆱𑇀𑆠𑆱𑆑𑆬
𑆠𑆂𑇅 𑆃𑆠𑆠𑇀𑆡𑇀𑆮𑆁 𑆬𑆿𑆑𑆴𑆑𑆩𑆥𑆴 𑆥𑆯𑇀𑆪𑆤𑇀𑆠𑇀𑆪
𑆥𑆯𑇀𑆪𑆤𑇀𑆠𑇀𑆪𑆼 𑇆 𑇓𑇕 𑇆 𑆪𑆠𑇀𑆫 𑆠𑇀𑆫𑆽𑆬𑆾
𑆑𑇀𑆪𑆼𑆯𑇀𑆮𑆫𑆂 𑆃𑆥𑆴 𑆮𑆫𑇀𑆟𑆤𑆼 𑆥𑆴 𑆩𑆠𑆴𑆂𑇅 𑆠𑇀𑆮
𑆪𑆂 𑆱𑇀𑆩𑆸𑆠𑆱𑇀𑆠𑆽𑆱𑇀𑆠𑆽𑆱𑇀𑆠𑆠𑇀𑆡𑇀𑆮𑆽𑆫𑇀𑆬𑆾𑆑𑆽𑆫𑇀𑆓𑆠𑆴

𑇗

𑆠𑆂 𑇆 𑇓𑇖 𑇆 𑆠𑆠𑇀𑆫 𑆪𑆠𑇀𑆫 𑆓𑇀𑆫𑆳𑆩𑆼𑆫𑇀𑆑

𑆪𑆼𑆤𑆪𑆘𑇀𑆚𑆱𑆩𑆁 𑆯𑇀𑆫𑆶𑆠𑆨𑆳𑇅 𑆠𑇀𑆠𑆶𑆱𑆁𑆫
𑆬𑆨𑆁𑆓𑇀𑆫𑆲𑆤𑆩𑆴𑆫𑆁𑆑𑇀𑆫𑆶𑆁𑆩𑆶𑆮𑆠𑇀𑆠𑆶𑆠𑆼 𑇆
𑇓𑇑 𑇆 𑆑𑆫𑆬𑆿𑆣𑆴𑆠𑆱𑆁𑆓𑇀𑆫𑆲𑆪𑆥𑆠𑇀𑆑
𑆢𑆼𑆩𑆶𑆮𑆠𑇀𑆠𑆶𑆠𑆼𑇅 𑆠𑇀𑆠𑆶𑆱𑇀𑆑𑆳𑆁𑆱𑆪𑆼𑆑𑇀𑆫𑆶𑆑𑆶𑆦𑆁𑆱
𑆝𑆱𑆁𑆪𑆽𑆠𑆴𑆮𑆑𑇀𑆑𑆶𑆘𑆴𑆠𑆂 𑇆 𑇓𑇓 𑇆 𑆠𑇀𑆮
𑆩𑆼𑆮𑆁𑆥𑆴𑆟𑇀𑆝𑆶𑆠𑆼𑆱𑆁𑆢𑆼𑆪𑆱𑆁𑆨𑆮𑆱𑇀𑆑𑆶𑆝𑆁

19

𑆟𑆪𑆂𑇅 𑆠𑆡𑆁𑆱𑆁𑆑𑆶𑆫𑆟𑆴𑆧𑆶𑆤𑆁𑆑𑆶𑆫𑆖𑆼

𑆦𑆁𑆜𑆮𑆴𑆨𑆑𑇀𑆠𑆴 ॥ 𑇗𑇗 ॥ 𑆓𑇀𑆫𑆳𑆫𑆴𑆖𑆴𑆬

𑆝𑆴𑆑𑆁𑆱𑆼𑆠𑆱𑇀𑆫𑆳𑆁𑆱𑇀𑆫𑆳𑆁𑆱𑆶𑆫𑆠𑆂𑆱𑆠𑆴𑆂𑇅

𑆠𑆱𑇀𑆩𑆼𑆪𑆮𑆴𑆬𑆥𑆶𑆁𑆱𑆑𑇀𑆠𑆶𑆠𑆂𑆱𑆳𑆁𑆱𑆼

𑆠𑆑𑆁 ॥ 𑇘𑇐 ॥ 𑆍𑆑𑆱𑇀𑆩𑆴𑆤𑇀𑆥𑆶𑆱𑆠

00

𑆫𑆪𑆠𑆂𑆱𑆳𑆁𑆱𑆥𑆾𑆟𑆪𑆂𑇅 𑆠𑆱𑇀𑆩𑆼𑆪𑆂𑆱

[illegible] ॥

२० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ २१ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

21

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

00

[illegible]

𑆩𑆠𑆫𑆩𑆳𑆥𑆳𑆥𑆿𑆪𑆩𑆸𑆩𑆶𑆪𑆂𑆥𑆶𑆟𑆾𑆪𑆴𑆱𑆶𑆮𑆂𑇅
𑆠𑆼𑆤𑆳𑆱𑆶𑆠𑆶𑆝𑆳𑆩𑆾𑆠𑆴𑆩𑆩𑆠𑆩𑆳𑆝𑆓𑆼𑆩
𑆮𑆂 𑇆 𑇒𑇐 𑇆 𑆱𑆶𑆥𑆳𑆮𑆬𑆾𑆩𑆳𑆱𑆶𑆩
𑆝𑆪𑆂𑆩𑆠𑆼𑆝𑆶𑆝𑆂𑇅𑆪𑆠𑆂𑆩𑆓𑆳𑆤𑆮𑆾𑆟
𑆫𑆫𑆮𑆴𑆤𑆳𑆥𑆶𑆟𑆾𑆪𑆴𑆱𑆶𑆮𑆂 𑇆 𑇒𑇑 𑇆 𑆃𑆪𑆁
𑆝𑆴𑆪𑆳𑆝𑆴𑆑𑆳𑆩𑆠𑆴𑆂𑆱𑆴𑆮𑆱𑆶𑆥𑆱𑆶𑆮𑆠𑆴

23

[illegible]

25

॥ ५७ ॥

॥ ५८ ॥

ॐ तपौडिः श्री लपपाः वं मत्तुवं वी
तमितिल्त्रमा। भुभक्तुल्त्रमपेहूँयम
क्षुवं पविशीयत ॥ ० ॥ वंपेहमप्त
हैंदिभं हामैंहैंककललमा। पक
भुवक्षिवक्षुवंविलभैंहैंनमिक्षुति ॥
१ ॥ भुविवंपितयकक्षनविक्षुंवि

27

त्रिपुरवर्ता। विष्णुर्विष्णुर्विष्णुर्वते
ङ्गिमुनिमनूक्ष्मवर्ता॥ ७॥ परिक्षि
त्रुत्वाष्टरत्रुत्रयोभतिकेवलः। सु
यंभूकमतेरूक्ष्मोभयापर्यैःसुमाति
व॥ ८॥ अष्टरकल्पंस्पीवंष्टरत
माङ्गिविमलभा। तत्त्वाष्टरंमयंरमु

ज्ञल्लंकतकरेण्वता ॥ ५ ॥ अंभ

रः सुप्रभतल्लो दिग्गजस्य धम्मिमक्षाः।

सुकल्लभस्तवन्तु ते पुरेण भस्तवन्तु वे

ता ॥ ६ ॥ तं पद्मं तेग्गजन्तु ते सुति

कारत्तं यथा। यावन्न स्नयं तेषु द्रभ

वं ति युगमस्तयमा ॥ ७ ॥ अस्मिस्मइ

21

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०५ ॥

31

32

[illegible] ॥ 𑇑𑇕 ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ 𑇑𑇖 ॥

[illegible]

[illegible]

33

𑆓𑆸 𑆨𑆠𑆾𑆨𑆑𑇀𑆰𑆴𑆨𑆤𑇀𑆤𑆷𑆠𑆴𑇅 𑆯𑇀𑆫𑆶𑆯𑇀𑆫𑆶𑆠𑇀𑆮𑆴
𑆮𑆑𑆼𑆤𑆓𑆓𑆮𑆤𑆵𑆬𑆴𑆨𑆁𑆬𑆴𑆮𑆝𑆳 𑇆𑇗𑇐𑇆
𑆯𑇀𑆫𑆶𑆕𑇀𑆓𑆤𑆕𑇀𑆓𑆳𑆤𑆨𑆼𑆥𑆫𑆼𑆂 𑆑𑆕𑇀𑆑𑆕𑇀𑆓𑆵𑆠𑆴
𑆩𑆳𑆕𑇀𑆓𑆷𑆠𑆴𑇅 𑆑𑆤𑇀𑆠𑆸𑆠𑇀𑆠𑆼𑆨𑆶𑆓𑆝𑆼𑆩𑆠𑆶𑆩𑆬
𑆤𑆬𑆴𑆪𑆔𑆔𑆳𑆕𑇀𑆓𑆃𑆂 𑇆 𑇑𑇐 𑇆 𑆤𑆓𑆼𑆱𑇀𑆛
𑆨𑆳𑆥𑆕𑇀𑆓𑆂𑇅𑆥𑆬𑆴𑆮𑆑𑆶𑆁𑆨𑆲𑆁𑆨𑆸𑆮𑆕𑇀𑆓𑆼𑇅

[illegible]

[illegible] ॥ ११ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १२ ॥

[illegible]

[illegible]

𑆠𑆴𑆰𑇀𑆜𑆮𑆠𑇀𑆠𑆶 ॥ 𑇑𑇔 ॥ 𑆱𑆶𑆒𑆼𑆤𑆽𑆮𑆴𑆑𑇀𑆫𑆴𑆪𑆁𑆤𑆁𑆧𑆶

𑆮𑆑𑇀𑆠𑇀𑆫𑆼𑆤𑆽𑆤𑆲𑆴𑆠𑆴। 𑆱𑆵𑆮𑆑𑇀𑆯𑆛𑆩𑆬𑆁𑆱𑇀𑆛𑆮𑆑𑆠𑇀𑆠

𑆓𑆶𑆥𑇀𑆠𑆴𑆩𑆴𑆠𑆴 ॥ 𑇑𑇕 ॥ 𑆓𑆑𑇀𑆫𑆩𑆢𑆮𑆱𑆑𑇀𑆤𑆁

𑆱𑆵𑆮𑆽𑆱𑇀𑆛𑆮𑆑𑆥𑆁𑆮𑆣𑆼𑆠। 𑆤𑆣𑆁𑆱𑆵𑆮𑆂𑆥𑆫𑆑𑇀𑆤

𑆠𑆴𑆱𑇀𑆛𑆱𑇀𑆑𑆼𑆤𑆴𑆑𑆪𑆽𑆑𑆮𑆼𑆠 ॥ 𑇑𑇖 ॥ 𑆱𑆶𑆒𑆮

𑆑𑆩𑆪𑆲𑆼𑆑𑆽𑆮𑆑𑇀𑆠𑆶𑆱𑆵𑆤𑆵𑆑𑇀𑆫𑆴𑆪𑆁𑆬𑆴𑆑𑆴। 𑆱𑆵

37

𑆥𑆽𑆰𑇀𑆪𑆥𑇀𑆫𑆱𑇀𑆡𑆴𑆪𑆥𑆑𑇀𑆰𑆶𑆑𑇀𑆰𑇀𑆩𑆳𑆤𑇀𑆑𑇀𑆰𑆽𑆨𑆷𑆠𑇀𑆮𑆳𑆮𑆑𑆳𑆤𑆠
॥ 𑇔𑇑 ॥ 𑆱𑇀𑆮𑆾𑆬𑆳𑆤𑇀𑆠𑆶𑆫𑆾𑆬𑆱𑇀𑆑𑆳𑆫𑆾𑆬𑆑𑇀𑆫𑆥𑆠𑆗
𑆘𑇀𑆚𑆤𑆂। 𑆤𑆩𑆵𑆥𑆩𑆶𑆟𑇀𑆝𑆶𑆩𑆵𑆥𑆱𑇀𑆑𑆳𑆪𑆗𑆱𑆳𑆘𑇀𑆚
𑆨𑆷𑆑𑆩𑇀𑆥𑆠 ॥ 𑇔𑇓 ॥ 𑆠𑇀𑆫𑆴𑆘𑆴𑆱𑇀𑆫𑆴𑆠𑆵𑆥𑆬𑇀𑆪𑆾𑆥
𑆥𑆵𑆠𑇀𑆫𑆴𑆠𑇀𑆫𑆴𑆮𑆠𑆵𑆠𑆴𑆮𑆳𑆲𑇀𑆫𑆶𑆠𑆂। 𑆮𑆴𑆲𑆶𑆩𑇀𑆨𑆽𑆢𑆁𑆨
𑆘𑆩𑇀𑆮𑆳𑆢𑇀𑆨𑆽𑆬𑇀𑆬𑆵𑆮𑆢𑇀𑆨𑆥𑆓𑆨𑆘𑇀𑆘𑆶𑆤𑆽𑆂 ॥ 𑇔𑇔॥

𑆱𑇀𑆠𑆶॰
𑆫॰
𑇗𑇑

39

[illegible]

॥ ७१ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ७३ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] विमलः ॥ ७४ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

प्यपरमात्मविदा। परिपूर्णमिदं सर्वम्

क्षुत्पिपासाविवर्जितः ॥ २० ॥ ह्लहृह्लीं

सदेतः परमानन्द विविक्तं, परमात्मक

रूपमङ्गीकृतं भुवमेवकर्ता ॥ २० ॥

एवमङ्गुलिमुद्रामपरेभजतं नृतं, त

लितावगाहिन्ना भव ह्लेकवसदतं।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ५७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ५८ ॥ यस्य [illegible]

[illegible]

[illegible] तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ ५५ ॥
[illegible] तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ ५६ ॥
[illegible] तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ ५७ ॥ [illegible]

तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ १० ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ १० ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
॥ ११ ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible] ॥ 𑇑𑇗 ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ 𑇑𑇘 ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ 𑇑𑇙 ॥

[illegible]

[illegible] ॥

११ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ १२ ॥

53

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

55

[illegible]

[illegible]

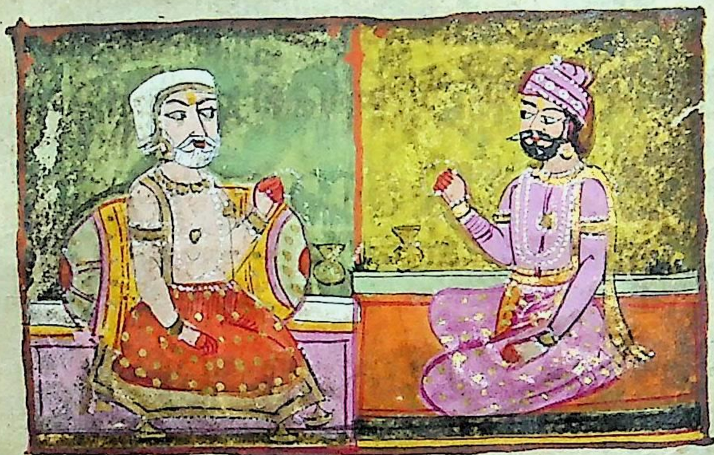
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]





[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

57

59

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]पतिः पति[illegible]मः । [illegible]

[illegible]रेतुः पतिः परमेश्वरः ॥ ७७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ७८ ॥

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

65

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

67

क्षिंयधतमा ॥ ०३ ॥ स्वजैस्वर्कमैम

कुंयप्रमेक स्तुकिम्नि। स्वघकयग्मे

मवंयसुं स्नेवमगैयगमा ॥ ०८ ॥ ग्लु

वंग्लैयंतस्य ग्लुत हितयंक स्तुवातुकम

मग्लुकम्नु हियरुंमेंदमम्नि विग्ल

रः ॥ ०५ ॥ हुतम्रलमजैतःपंकरु

69

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ११ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १३ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १४ ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १५ ॥ [illegible]

𑆓𑇀𑆫𑆲𑆑𑆶𑆠𑆮𑆩𑆳𑆓𑆼𑇅 𑆎𑆮𑆩𑆩𑇀𑆨𑆵𑆠𑇀𑆫𑆴𑆮𑆴𑆲𑇀𑆮𑆢

𑆑𑆴𑆁𑆱𑆵𑆮𑆠𑆶𑆮𑆟𑆮𑆱𑆴 𑇆 𑇓 𑇆 𑆱𑆷𑆑𑆸𑆥𑆴

𑆱𑆶𑆑𑆶𑆩𑆽𑆠𑆠𑇀𑆫𑆩𑆱𑇀𑆠𑆷𑆮𑆩𑆠𑇀𑆫𑆴𑆖𑆩𑆱𑇀𑆩𑆳𑇅 𑆠

𑆥𑆚𑇀𑆖𑆠𑆠𑇀𑆫𑆁𑆩𑆠𑇀𑆫𑆽𑆩𑆳𑆬𑆴𑆛𑆩𑆳𑆟𑆴𑆓𑆱𑇀𑆠

𑆠𑆴 𑇆 𑇕 𑇆 𑆩𑆖𑆑𑇀𑆫𑆶𑆠𑆼𑆪𑆩𑆳𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆮𑆁𑆩𑆖𑆑𑇀𑆫

𑆠𑆫𑆴𑆩𑆳𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆮𑆴𑇅 𑆩𑆠𑇀𑆫𑆽𑆱𑇀𑆮𑆳𑆮𑆠𑇀𑆫𑆠𑇀𑆫𑆠𑇀𑆫𑆧𑆁𑆩𑆥𑇀𑆫𑆶

75

भगवन्तं ॥ ५ ॥ [illegible]

[illegible]

वसगौविकलः कोलि[illegible] ॥ ७ ॥

[illegible]

[illegible]

तः ॥ १ ॥ [illegible]

विवेकिनः। सुखदं मे तत्कामसर्वमेतत्
सर्वविकीपिक ॥ ५ ॥ शीघ्रं शुभं ह्यमा
त्रैपिपीवृत्तमन्येषिमचयं। सुखं केव
लं पसुवर्णयुक्तं तृपदिः ॥ ६ ॥ सेवु
भवं समीगं सुं पसुहजमगीवडा। अंसु
वेमापिविद्यां यं कथं तृहेमदनामयः॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

४। सुक्रस्मिता ॥ १ ॥ उल्लासमय

सत्कुंभूकलाम्मा ॥ ॥ वकेसड़

सुकेशयिकिंसुकुटक्लासिद्धमि।

ग्रं॰ उविलयंक्रुधत्रेवभेवलयंवूल ॥

ध॰ उरूउकवडेविस्रंयशिठिमिवयुकूम:

५

००७ उल्लूकभझ्रमेवभेवल्लयंवूल ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हगाद्भिडिक्कयकडख ॥ ५ ॥
निवेकभूकंनवअंभकाल्भा॥ ॥
श्रीगुककवाम ॥ विकयवैरिल्ले
कअअऊंवानऊअकुलभा। पक्रम
फुवेद्दतुंअवहवामगंडान॥०॥
श्रुकेहूपलवद्दशलिकाविहीलिप

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆶𑆫𑆶𑆨𑇀𑆪𑆾 𑆤𑆩𑆁 ॥ 𑆤𑆳𑆫𑆳𑆪𑆟𑆮𑆴𑆑𑆳
𑆱𑇀𑆮𑆫𑆟𑆳𑆩𑆴𑆠𑆴𑆮𑆴𑆱𑇀𑆫𑆶𑆠𑆵। 𑆮𑆴𑆖𑆴𑆑𑆾𑆓
𑆠𑆭𑆳𑆱𑆂 𑆄𑆥𑆼𑆫𑆼𑆫𑆸𑆥𑆱𑆩𑆳𑆴𑆠 ॥ ० ॥
𑆓𑆴𑆫𑆳𑆱𑆖𑆤𑆴𑆱𑆳𑆠𑆳𑆫𑆼𑆤𑆳𑆢𑆠𑆴𑆮𑆴𑆱𑇀𑆫𑆶𑆠𑆵
𑆱𑆠𑆓𑆭𑆴𑆝𑆱𑆖𑆳𑆱𑆂 𑆱𑆳𑆠𑆂 𑆑𑆥𑆴𑆮𑆱
𑆱𑆭𑆼𑆠 ॥ १ ॥ 𑆱𑆶𑆥𑆩𑆂 𑆱𑆢𑆩𑆂 𑆑𑆳𑆭𑆼

97

देवाय देवतिरिक्षयी। [illegible]

[illegible] ॥ ३ ॥ [illegible]

[illegible] देवाय देवतिरिक्षयी।

[illegible] : [illegible]

[illegible] ॥ ४ ॥ [illegible] :

[illegible] तिरिक्षयी। [illegible] :

अ॰ व॰ ०० ०३१

𑆩𑆳𑆠𑇀𑆫𑆂𑆱𑆫𑇀𑆮𑆢𑇀𑆫𑆓𑆬𑆴𑆠𑆱𑇀𑆥𑆤𑇀𑆢𑆂 ॥ 𑇕 ॥
𑆮𑆳𑆤𑇀𑆠𑆼𑆩𑆤𑇀𑆢𑆽𑆫𑇀𑆩𑆤𑇀𑆢𑆽𑆫𑇀𑆣𑇀𑆮𑆤𑆾𑆢𑆩𑆴𑆠𑆴𑆮𑆴𑆯𑇀𑆫𑆶
𑆪𑆵। 𑆑𑆽𑆮𑆬𑇀𑆪𑆩𑆴𑆑𑆁𑆥𑆳𑆤𑇀𑆣𑆽𑆫𑇀𑆩𑆳𑆫𑆳𑆢𑆤𑆁𑆠𑆫
𑆠𑆩𑇀 ॥ 𑇖 ॥ 𑆯𑆶𑆢𑇀𑆣𑆁𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩𑆥𑆢𑆁𑆥𑆢𑆠𑆩𑆱𑆾
𑆩𑆼𑆮𑆼𑆠𑆴𑆮𑆴𑆯𑇀𑆫𑆶𑆪𑆵। 𑆤𑆴𑆫𑇀𑆮𑆴𑆑𑆬𑇀𑆥𑆂𑆯𑆶𑆢𑇀𑆣𑆴𑆂𑆱𑆳
𑆠𑆶𑆂𑆥𑇀𑆫𑆳𑆤𑆳𑆥𑆳𑆤𑆮𑆴𑆮𑆫𑇀𑆘𑆴𑆠𑆂 ॥ 𑇗 ॥ 𑆤𑆳𑆱𑆳

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆲𑆸𑆠𑇀𑆠𑆼𑆫𑇀𑆮𑆩𑆼𑆮𑆳𑆢𑇀𑆮𑆩𑆳𑆯𑇀𑆫𑆴𑆠𑆂 𑇆 𑇖 𑇆 𑆱𑇀𑆮𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆁
𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆩𑆚𑇀𑆪𑆾𑆥𑆴𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆠𑇀𑆮𑆁𑆥𑆁𑆑𑆬𑆳𑆫𑆷𑆩𑆾 𑇅 𑆢𑇀𑆫𑆶𑆑𑇀𑆠𑇀𑆮𑆳
𑆇𑆑𑇀𑆠𑆮𑆠𑇀𑆠𑆁𑆠𑇀𑆮𑆩𑆚𑇀𑆪𑆩𑆼𑆮𑆩𑆼𑆮𑆳𑆢𑇀𑆮𑆪𑆩𑆳𑆯𑇀𑆫𑆴𑆠𑆂 𑇆
𑇗 𑇆 𑆍𑆮𑆩𑆼𑆮𑆤𑆠𑆁𑆪𑆼𑆤𑆨𑆮𑆠𑇀𑆠𑆠𑇀𑆮𑆽𑆑𑆮𑆫𑇀𑆠𑇀𑆩𑆤𑆼
𑆍𑆮𑆩𑆼𑆮𑆨𑆷𑆠𑆁𑆪𑆾𑆓𑆂 𑆨𑆮𑆠𑇀𑆠𑆠𑇀𑆮𑆽𑆑𑆮𑆫𑇀𑆠𑇀𑆩𑆤𑆂 𑇆
𑇓 𑇆 𑆍𑆮𑆩𑆼𑆮𑆳𑆨𑆷𑆑𑆁𑆢𑇀𑆫𑆳𑆩𑆱𑆁𑆨𑆷𑆑𑆫𑆳𑆟𑆳𑆁 𑇆

103

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

105

[illegible]

107

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

109

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆠𑆩𑆱𑇀𑆪𑆩𑇀𑆬𑆼𑆖𑇀𑆗𑆽𑆫𑇀𑆮𑆴𑆓𑇀𑆫𑆲𑆵𑆨𑆴𑆂𑆱𑇀𑆮𑆜𑇀𑆪𑆠𑆂 𑇅
𑆠𑆱𑇀𑆩𑆽𑆠𑇀𑆮𑆮𑆯𑇀𑆫𑆩𑆳𑆪𑆠𑆶𑆓𑆠𑆼𑆮𑆢𑇀𑆨𑆴𑆂𑆑𑆸𑆥𑆢
𑆠𑆴𑆂 𑇆 𑇑𑇑 𑇆 𑆠𑆳𑆤𑇀𑆠𑆩𑆴𑆯𑇀𑆫𑆱𑇀𑆮𑆑𑇀𑆠𑆥𑆽𑆩𑆴𑆠𑆽𑆫𑇀
𑆠𑇀𑆫𑆴𑆩𑆴𑆁𑆱𑇀𑆮𑆳𑆓𑆠𑆂𑇅 𑆃𑆠𑆂𑆑𑆱𑇀𑆪𑆑𑆁𑆠𑇀𑆫𑆓𑆢
𑆪𑆽𑆥𑆟𑇀𑆪𑆼𑆖𑆑𑆬𑇀𑆥𑆤𑆳 𑇆 𑇑𑇒 𑇆 𑆋𑆑𑆱𑇀𑆩𑆴𑆤𑇀
𑆲𑆸𑆢𑆪𑆼𑆱𑇀𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆼𑆩𑆴𑆯𑇀𑆫𑆳𑆑𑆳𑆩𑆼𑆨𑆮𑆼𑆢𑆸𑆥𑆴𑇅𑆠𑆠𑇀𑆫𑆽

113

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

115

116

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

॥ यस्याः किमन्तुमैः किं पिशङ्किपिमत
उष्णः रवः स्तुतीरवर्षेगीकेवलंकः
यकागर्भे ॥ ७ ॥ यस्य स्तुपस्मृतु
कृतिः कमलस्मेपिवः उष्णः पिडवत
स्वास्तुं भवविभ्रान्तमज्ञं ॥ ८ ॥
विशेषैकस्तसकं पैत्संभूकान्नी ॥

12

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆑𑆶𑆩𑆵 𑆩𑆬𑇀𑆬𑆑𑆵𑆥𑆬𑇀𑆬𑆮𑆥𑆷𑆠𑆯𑆴𑆮𑆼𑆜𑆁
𑆠𑆴𑆱𑇀𑆫𑆥𑆬𑇀𑆬𑆮𑆂 𑇆 𑇗 𑇆 𑆔𑆱𑇀𑆩𑆸𑆛𑆾𑆓𑆼𑆰𑆶
𑆶𑆠𑆼𑆰𑆫𑆜𑆮𑆠𑇀𑆛𑆠𑆴𑆢 [illegible] 𑆱𑇀𑆩𑆸𑆠𑆼𑆰𑆶
𑆤𑇀𑆩𑆳𑆑𑆱𑇀𑆤𑆷𑆠𑆱𑇀𑆩𑆽𑆜𑆮𑆩𑆬𑇀𑆬𑆜𑆂 𑇆 𑇘 𑇆
𑆮𑆸𑆑𑇀𑆰𑆳𑆓𑇀𑆤𑆴𑆮𑆁𑆱𑆳𑆨𑆵𑆩𑆱𑇀𑆑𑆶𑆫𑆶𑆥𑆴𑆤𑇀𑆢𑇀𑆫𑆱𑆸𑆠𑆼
𑆛𑆼𑆓𑆨𑆽𑆢𑇀𑆮𑆴𑆓𑆴𑆑𑆱𑇀𑆤𑆵𑆮𑆴𑆓𑇀𑆬𑆼𑆘𑆴𑆩𑆢𑇀𑆣

123

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ऋतिरस्मृतिरव्यूहप्रतिरत्रापृतिरव
सतिरगच्छतिभक्तः सचराचरः ॥
१३ ॥ सत्त्वरागं स्थितं गच्छ सर्वदा स
मप्रियंभा । अविकल्पभक्तः सर्वे
ऽप्यवमन्ये सयः ॥ १४ ॥ आपेतः प
रोपरोदं भक्तद्रुमविपद्रुम । विसर्पं

127

दृष्टादृष्टविकल्पितः । सुखस्थितो
नएवात्रैकैवल्यं निवसंस्थितः ॥ ७५ ॥
विश्वमैसि स्वरूढ्कैनकिञ्चिन्मितिविशि
तः । स्वतन्त्रा लिङ्गमयमः स्वयमपि
वलितं ॥ ७६ ॥ अथ प्रकृतमधि
कृत्यमस्य सूक्ष्मविपलितः । सर्वं कम

129 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

05

[illegible]

|3|

133

135

लक्ष्मीभार्यं विभुन्तु सुभद्राङ्कः॥

॥ येनविष्णुमिमं द्रष्टुं भवान् श्रीउकौ

वै। विचक्षणः किं त्वमुत्पसूत्रपिथ

स॰ उ॥०५॥ मद्भूयेनाङ्गु विहृयै वि गे

व॰ ज्ञात्वौ। उमाम्भुत्र विवित्रुः

०५ मूर्धावाक्कौ उकिमा॥०७॥ येनम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

139

141

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

143

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

145

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

147

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

149

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

151

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

153

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

155

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆫𑆷𑆥𑆩𑆁𑆑𑆫𑇀𑆠𑆶𑆁𑆮𑆑𑇀𑆠𑆶𑆁𑆩𑆼𑆮𑆤𑆑𑆴𑆚𑇀𑆖𑆤 𑇆 𑇑𑇒 𑇆
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

159

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

161

𑆥𑆶𑆱𑇀𑆩𑆑𑆳𑆥𑆷𑆫𑆂 । 𑆃𑆠𑆴𑆠𑇀𑆫𑆲𑆸𑆢𑇀𑆪𑆪𑆶𑆑𑇀𑆠𑆴𑆮𑆴
𑆮𑆴𑆥𑇀𑆫𑆑𑆳𑆫𑆳𑆬𑆶𑆩𑆳𑆂 ॥ ३३ ॥ 𑆃𑆖𑆪𑇀𑆪𑆮𑆳
𑆫𑆱𑆳𑆑𑆴𑆓𑇀𑆫𑆑𑆳 𑆩𑆴𑆤𑇀𑆢𑆸𑆩𑆴 । 𑆃𑆑𑆳𑆓𑇀𑆫𑆼𑆮𑆴
𑆣𑆶𑆱𑆠𑆬𑆳𑆑𑆼𑆫𑆱𑇀𑆪𑆖𑆼 ॥ ३४ ॥ 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆠𑇀𑆫
𑆥𑆴𑆫𑆱𑆳𑆝𑆴𑆥𑆱𑆠𑇀𑆫𑆥𑆴𑆫𑆥𑆱𑆝𑆴 । 𑆑𑆷𑆫𑆠𑇀𑆫𑆥𑆴
𑆫𑆱𑆑𑆷𑆠𑆑𑆽𑆫𑆼𑆮𑆴𑆖𑆳𑆃𑆑𑆳𑆱𑇀𑆠𑆼 ॥ ३५ ॥ 𑆝𑆴

163

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

165 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

167

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑇄𑆥𑆁 । 𑇄𑆤𑆼𑆩𑆂 𑇄𑆱𑇀𑆮𑆣𑆳 𑆥𑆴𑆠𑆸𑆁𑆱𑇀𑆩𑆢𑆴𑆥𑆴𑆠𑇀𑆫𑆴
𑆠𑆫𑇀𑆥𑆪𑆳𑆩𑆴 ॥ 𑇓 ॥ 𑇄𑆥𑆁𑆑𑇀𑆯 𑇄𑆱𑇀𑆮𑆣𑆳𑆑𑇀𑆯𑆁 𑇄𑆠𑇀𑆠
𑆤𑆁 𑇄𑆱𑇀𑆠𑆸𑆤𑆁𑆠𑆥𑆼𑆂 𑇄𑆩𑆴𑆠𑇀𑆠 𑇄𑆱𑇀𑆮𑆣𑆳 𑆩𑆴𑆠𑇀𑆠𑆱𑇀𑆮
𑆩𑆢𑆴𑆥𑆴𑆠𑇀𑆫𑆴𑆠𑆫𑇀𑆥𑆪𑆳𑆩𑆴 ॥ 𑇔 ॥ 𑇄𑆱𑇀𑆮𑆣𑆂 𑇄𑆱𑇀𑆮
𑆣𑆴𑆠𑇀𑆠𑆪𑆳 𑇄𑆮𑆳𑆃𑆓𑆳𑆓𑆁 𑆠𑆥𑆼 । 𑇄𑆠𑇀𑆠𑆵𑆪𑆁𑆤
𑆪𑆁𑆮𑆳 𑆥𑆴𑆱𑇀𑆮𑆩𑆢𑆴𑆥𑆴𑆠𑇀𑆫𑆴𑆠𑆫𑇀𑆥𑆪𑆳𑆩𑆴 ॥ 𑇕 ॥ 𑇄𑆤𑇀𑆫

169

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

175

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

1.77

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्रीगणेशाय नमः ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

182

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

184

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

186

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

191

192

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

194

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

017 [illegible]

196

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

198

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

स्व·
दे·
०१३

[illegible]

[illegible]

200

[illegible]

202

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

204

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

०३०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

206

[illegible]

208

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

210

[illegible]

212

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

035 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

214

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

216

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

037

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

218

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

033 [illegible]

220 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

037 [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

224

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

226

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

228

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

234

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

238

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

240

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

242

[illegible]

246

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

स्व ·
रे ·
१०१

ण्यडि। यडें ह्लः प्रिस्वङ्कपस्त्वभङस्तुवाह्लवं
वाप्रि। यघ ब्रदेडभः। स्त्रऽ स्तुराह्लवारवि
वड्कंह्लवभ पिडववाप्रिह्लवस्वङ्कपवडुड।
यघःमीपसराहमीपस्तुःवाव्हुवधूकम्मस्त्व
ङ्कपवडुडा। स्मःसह्लवह्लवैम्हवैवरुमैद्ध
वपिडववस्तुः। स्वडेंवि रिड भड्डा पवडुं। यडम्भ

248

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

250

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

252

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

लकत्तुभत्रसूत्रभत्तुदानिउद्याभाद्रीप 2.53

काप्व।स्वतस्तुवस्वकृपमद्विजीयं।उद्याम

कृतिः।स्कैस्वः मचकृतपुगुरुः अचक्र

भीमचकृतत्तुरङ्गः।कस्मद्वचवचकृत

पिवानः भाद्रीमकृतकैवलैविनुणन्न

ति।भाद्रीमद्विजीयः अपूपप्रक्रिंचठव

254

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

२-१ [illegible]

सरीरवाङ्मनोभिर्यत्कर्म प्रारभते नरः। न्याय्-
यं वा विपरीतं वा पञ्चैते तस्य हेतवः॥ अ
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

258 हुं क्रां ओं अः। स्वर्गतं मूलमन्त्रपति[illegible]

वृत्तां लिपविवीपदत्तमचङ्क्ष्यप्र[illegible]

ह्रपकं मैंङ ह्रं यघय यत्ति ह्रुतेः प्रवं[illegible]

कंवठः। स्वङ्भूमन्तुः। स्वप्रकम[illegible]

सू:
वे:

ह्रंमूलमन्त्रपति। ङवमहस्रमवमिसंभ[illegible]

१०३

वठकमीतेवैवाजठवः। अक्षिमयम[illegible]

260

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

262

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

264

[illegible]

266 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्रु. [illegible]

टी. १०१ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

272

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

स्प॰
रां॰ [illegible]

१०५ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

274

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

277

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

278

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१०३ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

280

[illegible]

284

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

286

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

288

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2-89

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

290

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

292

294

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

११७

[illegible]

296

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

297

298

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

300

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆠𑆴𑆁𑆓𑇀𑆩𑆓𑆴𑆫𑆳𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆢𑆳𑆤𑆴𑆫𑆷𑆥𑆯𑇀𑆫𑆠𑇀𑆫𑆱𑇀𑆪
𑆱𑇀𑆩𑆳𑆥𑆪𑆳𑇅 𑆢𑆳𑆪𑆢𑇀𑆫𑆤𑆳𑆩𑆴𑆠𑆳𑆥𑆫𑆩
𑆢𑆴𑆩𑆳𑆥𑆳𑆩𑆼𑆱𑇀𑆫𑆳𑆂 𑇆 𑇐 𑇆 𑆪𑆂𑆱𑇀𑆩𑆵𑆠𑆂
𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆢𑇀𑆪𑆫𑇀𑆭𑆴𑆥𑆳𑆩𑆳𑆥𑆫𑆩𑆩𑆳𑆤𑆱𑆳𑇅 𑆮𑆴
𑆢𑇀𑆮𑆽𑆠𑇀𑆮𑆽𑆠𑆴𑆠𑆩𑆳𑆢𑆳𑆢𑇀𑆫𑆷𑆂𑆩𑆢𑆳𑆪𑆢𑇀𑆫𑆥𑆳
𑆫𑆴𑆠𑆂 𑇆 𑇙 𑇆 𑆥𑆷𑆩𑆳𑆢𑆴𑆯𑇀𑆫𑆳𑆢𑆪

302

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

304

पञ्चाशद्वेदमः ॥ १ ॥ ब्रह्म

गाङ्गिली ह्रीं महाराधिपः मन्त्रौं गं

परमेश्वरं अमृतत्रिं श्री

त्रुमः ॥ ३ ॥ विश्वपाशमन

रमचित्रवेदवत्रत । श्रीगङ्गं

अमृतं कलाशाख्यायस्कलि

सि० त्रु० ७

305

[illegible]

306

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆝𑆮𑆜𑆾𑆪𑆽𑆱𑇀𑆠𑆶𑆩𑆩𑆢𑇀𑆪𑆳𑆑𑆫𑇀𑆩𑆼𑆤𑆽𑆫𑆳𑆠𑆼 ॥ 307
𑇐𑇔 ॥ 𑆪𑆳𑆮𑆢𑇀𑆪𑆭𑆵𑆮𑆁𑆱𑆳𑆓𑆠𑆳𑆗𑆑𑆶𑆢𑇀𑆫
𑆩𑆴𑆩𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶𑆤𑆂𑇅𑆢𑆢𑇀𑆫𑆳𑆩𑆳𑆢𑇀𑆫𑆶𑆩𑆼𑆑𑆳𑆫𑆷
𑆩𑆤𑆱𑇀𑆑𑆶𑆢𑇀𑆫𑆼𑆫𑆪𑆳𑆱𑇀𑆠𑆴𑆠𑆴𑆂 ॥ 𑇐𑇕 ॥ 𑆩𑆳
𑆥𑆳𑆩𑆢𑆩𑇀𑆩𑆷𑆮𑆴𑆩𑇀𑆯𑆵𑆠𑇀𑆑𑆮𑆼𑆩𑆓𑆩𑆩𑆪𑆳
𑆱𑇀𑆠𑆼𑇅𑆤𑆽𑆮𑆠𑇀𑆫𑆶𑆠𑆾𑆭𑆽𑆢𑇀𑆫𑆳𑆩𑆑𑆭𑇀𑆥𑆮𑆤𑆳

304

[illegible] || ०७ || [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] || ०१ || [illegible]

[illegible]

[illegible] || ०[illegible]

इतीत्थमन्येनसूक्ष्मासूत्रोपसूत्रप्रज्ञा
लः। कामाधिष्ठितं सूत्रैः किमहा
लक्षैः फलमा ॥ ०७ ॥ वमेवमः
शिवाद्यतिमहामहाभासितः। स्त्र
पश्येन्मासंवीक्ष्य तिमपङ्क्तिंयत
सूत्रः ॥ ७० ॥ कः पङ्क्तयेनवप

310

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ९९ ॥ [illegible]

[illegible]

𑆪𑆱𑇀𑆩𑆶𑆬𑇀𑆮𑆼𑆝𑇀𑆝𑆷𑆁𑆑𑆳𑆓𑆪𑆬𑇀𑆬𑆾𑆥𑆮𑆵𑆠𑆴
𑆮𑆼 𑇆 𑇑𑇓 𑇆 𑆱𑇀𑆩𑆬𑇀𑆬𑆾𑆤𑆳𑆠𑆴𑆩𑆴𑆫𑇀𑆓𑆶𑆑𑆩𑆿
𑆣𑆁𑆨𑆁𑆨𑇀𑆫𑆶𑆠𑆴𑆨𑆶𑆮𑇅𑆜𑆮𑆇𑆠𑇀𑆠𑆶𑆢𑇀𑆫𑆷𑆱𑇀𑆩𑆼
𑆨𑆷𑆩𑆳𑆂𑆑𑇀𑆫𑆴𑆪𑆝𑆁𑆨𑆮𑆴 𑇆 𑇑𑇔 𑇆 𑆫
𑆨𑆁𑆱𑇀𑆩𑆳𑆪𑆤𑆴𑆂𑆱𑆼𑆣𑆥𑆶𑆑𑆣𑆳𑆈𑆥𑆷𑆩𑆳
𑆥𑆑𑆂𑇅𑆥𑆶𑆬𑇀𑆬𑆷𑆲𑆷𑆂𑆥𑆶𑆠𑇀𑆠𑆾𑆩𑆽𑆥𑆴𑆔𑆱𑆵

312

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

314

भ्रूँठवठेठवठेवठे।भ्र,हवहथा

ठेसभ्रुवेसभ्रुवेठवे ॥ ७० ॥ भच

ह्लः भचनङ्कचमभीडिह्लवमालि

नभा। वेक्षुंकिंकह्मवण्णाषनण्ह

सि·
भु·
७

यङ्यण्ह्रुठे ॥ ७० ॥ ङ्ह्मयणव

यमेंयह्रुलंलैकङ्यङ्गकभाङ्ग

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

316

𑆟𑆮𑆂 𑇅 𑇓𑇔 𑇅 𑆑𑇀𑆫𑆸𑆼𑆮𑆬𑇀𑆭𑆠𑆼𑆪𑆱𑇀𑆪
𑆠𑆶𑆂𑆑𑆫𑆳𑆬𑇅𑆫𑆥𑆴 𑇆 𑆑𑇀𑆫𑆷𑆫𑇆𑆓𑆼𑆰𑆥𑆴𑆪𑆱𑇀𑆪
𑆤𑆩𑆁𑆱𑆶𑆩𑆼𑆩𑆤𑆩𑆳 𑇅 𑇓𑇕 𑇅 𑆤𑆩𑆂
𑆠𑆼𑆱𑇀𑆪𑆠𑆼𑆥𑆶𑆟𑇀𑆪𑆼𑆱𑆘𑇀𑆚𑆼𑆱𑆘𑇀𑆚𑆮𑆠𑆱𑇀𑆪
𑆱𑆼𑆩𑆳𑆤𑇀𑆮𑆑𑆫𑆫𑆘𑇀𑆚𑆳𑆪𑆱𑆪𑆴𑆠𑆳𑆪𑆑𑆥
𑆮 𑇅 𑇓𑇖 𑇅 𑆑𑆴𑆁𑆱𑇀𑆪𑆪𑆼𑆫𑆠𑆴𑆱𑆘𑇀𑆚𑆥𑆴

𑆯𑆴 𑇆
𑆩𑆶 𑇆
𑆠

𑆩𑆳𑆥𑆫𑆩𑆼𑆱𑇀𑆮𑆫𑇅 𑆃𑆪𑆼𑆤𑆢𑇀𑆫𑆴𑆱𑇀𑆛𑆪𑆼𑆨𑆵𑆠𑆴𑆩𑆳
𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆱𑇀𑆪𑆮𑆴𑆑𑆶𑆁𑆨𑆶𑆱𑇀𑆪 ॥ 𑇓𑇒 ॥ 𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆪𑆴
𑆢𑇀𑆮𑆴𑆥𑆴𑆑𑆠𑇀𑆠𑆶𑆲𑆑𑆾𑆥𑆵𑆱𑇀𑆮𑆴𑆠𑆶𑆱𑇀𑆩𑆳𑆥𑆬𑆳𑆝
𑆮𑆴𑆱𑇀𑆪𑆳𑆱𑇀𑆪𑆜𑆮𑆜𑆳𑆮𑆑𑇀𑆑𑆩𑆴𑆠𑆶𑆫𑆑𑇀𑆱𑆾𑆫𑆩𑆼𑆲𑆱
𑆩𑆳 ॥ 𑇓𑇓 ॥ 𑆃𑆑𑇀𑆫𑆾𑆩𑆴𑆩𑆾𑆝𑆴𑆬𑆼𑆑𑆵𑆪𑆁𑆑
𑆬𑆳𑆨𑆝𑆁𑆑𑆪𑆁𑆠𑆮𑇅 𑆑𑆶𑆬𑆼𑆥𑆑𑆴𑆁𑆨𑆶𑆩𑇀𑆤𑆼𑆤

318

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ५८ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ५९ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆱𑆑𑆬𑆱𑆶𑆠𑆶𑆬𑇀𑆪𑆮𑆴𑆩𑆶𑆑𑇀𑆠𑆾𑇅 𑆑𑆸𑆠𑆑𑆸𑆠𑇀𑆪𑆑𑆩
𑆥𑆵𑆪𑆷𑆰𑆥𑆳𑆤𑆥𑆮𑆤𑆲𑆸𑆢𑆪𑆱𑇀𑆡𑆴𑆠𑆾 ॥ 𑇕𑇐 ॥
𑆇𑆥𑆱𑆁𑆲𑆸𑆠𑆑𑆫𑇀𑆩𑆳𑆥𑆴𑆑𑆫𑇀𑆩𑆳𑆥𑆴𑆠𑆾
𑆘𑇀𑆚𑆳𑆠𑇅 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆠𑆁𑆱𑆴𑆠𑆾𑆱𑆾𑆩𑆳𑆥𑆴𑆱𑆾𑆩𑆳𑆥𑆴𑆱𑆫𑇀𑆮
𑆱𑆴𑆢𑇀𑆢𑆩𑇅 ॥ 𑇕𑇑 ॥ 𑆑𑆴𑆩𑆱𑆘𑇀𑆚𑆳𑇅 𑆑
𑆫𑇀𑆩𑆵𑆠𑆴𑆱𑆮𑆢𑆤𑇀𑆪𑆱𑆶𑆥𑆶𑆠𑇅 𑆱𑆮𑆳𑆤

324

𑆓𑆶𑆛𑆴𑆑𑆳𑆩𑆳𑆠𑆴𑆂𑆱𑆳𑆑𑆵𑆩𑆫𑆁𑆩
𑇆 𑇕𑇓 𑇆 𑆓𑆶𑆯𑆵𑆠𑆱𑆶𑆮𑆴𑆢𑆴𑆱𑆷𑆮𑆴
𑆥𑆳𑆠𑆴𑆩𑆪𑆳𑆯𑆫𑆂𑇅 𑆬𑆬𑆠𑆟𑆮𑆑𑆁
𑆥𑆂𑆱𑆶𑆠𑆴𑆤𑆴𑆖𑆴𑆱𑆮 𑇆 𑇕𑇘 𑇆 𑆮𑆴
𑆑𑆶𑆮𑆴𑆤𑆥𑆳𑆟𑆩𑆓𑆪𑆳𑆑𑆮𑆴𑆩𑆠𑆱𑆷𑆠𑆾
𑆮𑆪𑆁𑆮𑆳𑆑𑆷𑆩𑆳𑆑𑆳𑆥𑆴𑆩𑆳𑆪𑆪𑆳𑆩𑆪

𑆱𑆴॰
𑆩𑆶
𑇐𑇑

𑆪𑆠𑆮 ॥ 𑇕𑇕 ॥ 𑆱𑆴𑆤𑇀𑆘𑆳𑆴𑆤𑆶𑆤𑇀𑆢𑆮𑆳
𑆥𑆶𑆂𑆃𑆱𑇀𑆩𑆱𑇀𑆩𑆢𑆁𑆜𑆮𑆢𑆥𑆂 । 𑆱𑆩𑆵𑆜𑆮𑆜
𑆥𑆜𑆠𑇀𑆪𑆴𑆑𑆤𑇀𑆢𑆥𑆤𑇀𑆢𑆥𑆥𑆊𑇀𑆊𑆮𑆳𑆂 ॥𑇕𑇖॥
𑆪𑆳𑆪𑆳𑆴𑆠𑇀𑆪𑆶𑆅𑆤𑆑𑆳𑆴𑆥𑆃𑆮𑆑𑇀𑆑𑆳𑆊𑇀𑆊𑆿𑆜𑆮
𑆃𑆥𑆂 । 𑆃𑆴𑆠𑆊𑇀𑆊𑆶𑆴𑆥𑆑𑆢𑇀𑆢𑆶𑆁𑆊𑆥𑇀𑆪𑆳𑆃𑆳
𑆖𑆑𑆱𑆶𑆠𑆳𑆩𑆳 ॥ 𑇕𑇗 ॥ 𑆤𑆩𑆂𑆥𑆶𑆃𑆤𑇀𑆱

326

[illegible] ॥ ५३ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ५७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

328

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १८ ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥ १५ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १६ ॥
[illegible]
[illegible]

330

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆑𑇀𑆫𑆶𑆠𑆂𑆥𑆫𑆠𑆂𑆥𑆫𑆩𑆳𑇅 𑆪𑆱𑇀𑆩𑆽𑆮𑆼𑆱𑆳𑆑𑇀𑆰𑆴𑆑𑆳𑆁𑆑𑇀𑆰𑆵

𑆪𑆱𑇀𑆩𑆽𑆓𑆩𑇀𑆨𑆵𑆫𑆩𑆓𑆵𑆩𑆳 ॥𑇑𑇐॥ 𑆮𑆴𑆠𑆴

𑆓𑆬𑆴𑆩𑆶𑆒𑆳𑆠𑇀𑆠𑆼𑆱𑆴𑆮𑆴𑆱𑇀𑆫𑆶𑆱𑇀𑆫𑆶𑆥𑆫𑆩𑆼𑆱𑇀𑆮𑆫𑇅 𑆪𑆱𑇀𑆩𑆓𑇀𑆫𑆶

𑆩𑆂𑆥𑆷𑆫𑆑𑇀𑆠𑆼𑆪𑆱𑇀𑆩𑆽𑆠𑇀𑆠𑆼𑆫𑆩𑆑𑆠𑆼𑆤𑆮𑆠𑆳 ॥𑇑𑇐॥

𑆫𑆩𑆼𑆠𑆤𑆮𑆩𑆱𑇀𑆫𑆶𑆠𑇀𑆠𑆫𑆱𑇀𑆠𑇀𑆠𑆴𑆩𑆱𑇀𑆫𑆶𑆮𑇀𑆫𑆠𑆴𑆑𑆠𑆼𑇅

𑆑𑇀𑆫𑆳𑆮𑆑𑆁𑆩𑆠𑆴𑆑𑇀𑆫𑆶𑆑𑇀𑆫𑆁𑆱𑆼𑆮𑆑𑆑𑇀𑆫𑆳𑆮𑆴𑆑𑆱𑇀𑆫𑆠𑆼 ॥𑇑𑇑॥

332

𑇑𑇗 𑇆 𑆪𑆱𑇀𑆪𑆳𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆾𑆢𑇀𑆨𑆶𑆠𑆥𑆢𑆠𑇀𑆠𑆮𑆴𑆯𑆼𑆰𑆂 𑆑𑆾𑆥𑆴

𑆫𑆱𑆽𑆂 𑇅 𑆩𑆣𑇀𑆪𑆳𑆩𑆼𑆑𑆟𑆴𑆩𑆼𑆰𑆁 𑆩𑆶𑆑𑇀𑆠𑆳𑆁𑆱𑆶𑆥𑆳

𑆫𑆂 𑆯𑆴𑆮𑆂 𑇆 𑇑𑇗 𑇆 𑆮𑆽𑆑𑆶𑆟𑇀𑆜𑆳𑆁𑆱𑆶𑆓𑆠𑆴𑆁 𑆓𑆶𑆫𑆾𑆱𑇀𑆠𑆳

𑆱𑆶𑆥𑇀𑆫𑆨𑆳𑆁 𑆱𑆶𑆪𑆯𑆳 𑇅 𑆮𑆽𑆩𑆬𑇀𑆪𑆑𑆶𑆱𑆶𑆩𑆥𑆫𑆳𑆁 𑆑𑆾𑆱𑆴

𑆑𑆶𑆠𑆁 𑆑𑆶𑆫𑇀𑆮𑆠𑆂 𑆥𑆶𑆯𑇀𑆠𑆼 𑇆 𑇑𑇘 𑇆 𑆮𑆶𑆢𑇀𑆣𑆴𑆬𑇀𑆪𑆴𑆑𑆳

𑆮𑆶𑆢𑇀𑆣𑆑𑆱𑆶𑆠𑆩𑆤𑇀𑆨𑆶𑆩𑆴𑆱𑇀𑆠𑆂 𑇅 𑆯𑆳𑆑𑇀𑆫𑆶𑆬𑆳

𑆯𑆴𑆂
𑆩𑆶𑆂
𑇗𑇐

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

334

[illegible]

[illegible] ॥ १३ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ३० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ३१ ॥ [illegible]

336

[illegible] ॥ ३७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ३८ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ३९ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇆 𑇓𑇖 𑇆 [illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇆 𑇓𑇗 𑇆 [illegible]
[illegible]

338

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

340

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆪𑆳𑆤𑇀𑆮𑆴𑆥𑇀𑆫𑆮𑆸𑆠𑇀𑆠𑆪𑆼 𑇅 𑇗𑇑 𑇅 𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆁𑆪𑆠𑇀𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆱𑆢𑇀𑆧𑆶𑆢𑇀𑆣𑆴
𑆱𑆫𑇀𑆮𑆁𑆱𑆫𑇀𑆓𑆠𑆼𑆮𑆴𑆤𑆳𑇆 𑆥𑆫𑆩𑆳𑆫𑇀𑆡𑆤𑆭𑆼𑆤𑆳𑆥𑇀𑆪𑆥𑆳𑆫
𑆩𑆳𑆫𑇀𑆡𑇀𑆪𑆁𑆱𑇀𑆮𑆪𑆩𑆱𑆴 𑇅 𑇗𑇒 𑇅 𑆑𑆼𑆤𑆶𑆬𑇀𑆬𑆴𑆁𑆓𑆮𑆴𑆑𑆮𑇀𑆪𑆶
𑆄𑆥𑇀𑆫𑆶𑆠𑆂 𑆑𑆼𑆤𑆴𑆖𑆶𑆬𑇀𑆬𑆴𑆁𑆓𑆮𑆴𑆑𑆂 𑆮𑆴𑆤𑆳𑆥𑇀𑆪𑆱𑆩𑆑𑆴
𑆝𑆁𑆑𑆴𑆁𑆤𑆴𑆱𑇀𑆠𑆴𑆱𑇀𑆩𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆼 𑇅 𑇗𑇓 𑇅 𑆑𑆵𑆠𑆶𑆫𑆼𑆥𑆶
𑆱𑆾𑆩𑇀𑆪𑆱𑆶𑆪𑆢𑇀𑆣𑆶𑆱𑆠𑇀𑆠𑆶𑆂 𑆤𑆭𑆁𑆠𑆮𑇆 𑆠𑆢𑇀𑆣𑆳𑆠𑆱

342 पिकेंइँलंकिमसन्तुंस्नगड्डउ ॥७७॥
निःसेयपूजनीयाजभाजमिद्धिदिण
उः। ड्वउन्नुक्तुत्रिगेवान्तुंपूजयेनाषस
मि॰ चषं ॥०॰॰॥ नमस्डैलैहनाषान्यउं
भु॰ ठवठवड्डुंषान्भा। द्विलैकीनाषउान्न
१० निचिनान्यकमज्ञाये ॥०॰०॥ निःसेयलें

[illegible]

[illegible] ॥०-१॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥०-३॥ [illegible]

[illegible]

344

[illegible] 𑆮𑆴𑆖𑆫𑆠𑆂॥𑇑𑇐𑇔॥

[illegible]

𑆠𑆂। [illegible]

[illegible]𑆂॥𑇑𑇐𑇕॥ 𑆩𑆲𑆼𑆯𑇀𑆮𑆫 [illegible]

𑆱𑆴.
𑆩𑆶.
𑇑𑇑

[illegible]

[illegible] ॥𑇑𑇐𑇖॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

346

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सि ·
सु ·
93

[illegible]

[illegible]

348

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

350 मेभन्नभःश्च मिञ्म मिद्धि भुद्धं पद्म॥
१०७॥ वमस्त्रु उस्त्र कद्वं मसगीं भम
यन्नूठें। ठठूभ मेनउम्हुय म्हुवठवैक
ठ्थल्लभा॥१०८॥ भुवमित्तुभलिंङ्ग
शि. रिभर्वगषठलपूरुभा। ठत्तिलस्तूल
सु. यंमर्भेठ्ठूणण्यलेंष्टूणजा॥१०९॥
७५

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

352

सुज्ञां भमठवन्दुत्तिभणपनयुवापिम

नां। लोकयाङ्गरलोंगगाङ्कलिङ्गेविवप्र

रः ॥ ५ ॥ लवुवुङ्कम्दसंठत्तिमतंङ्कु

रवामिकभा। अफुंरलोंकमाज्ञपिशुङ्

यैवविस्मृभ्रया ॥ ७ ॥ भाकारकुवमयें

नाघभचम्भिकुवनाङ्गरा। किंवठत्तिभतं

उ०
मु०
५०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

354

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

356

[illegible]

[illegible]

[illegible]

उ. [illegible]

मु. [illegible]

95 [illegible]

ज्ञानं च वस्मिंस्तस्मिन् कथं प्रपत्तयः ।
तस्मिन् विनश्यत्यङ्क विलक्षणेति
वा ॥ ०५ ॥ कस्मिन् पिलहैसिधै
गोत्रीमवप्रुव । श्रुतषभचकत्रुभ
कमितक्रिभतंकषभा ॥ ०७ ॥ भूत
नाकुभंभदक्षैविसषैसुभरुक्यमा

358

𑆪𑆾𑆓𑆴𑆲𑆼𑆜𑆘𑇀𑆚𑆴𑆜𑆳𑆁𑆥𑆱𑇀𑆦𑆶𑆘𑇀𑆚𑆳𑆤𑆼𑆥𑆴𑆩𑆳𑆢𑆴

𑆜𑆂 ॥ 𑇐𑇑 ॥ 𑆮𑆪𑆾𑆓𑆾𑆮𑆠𑆥𑆼𑆮𑆳𑆱𑇀𑆩𑆳𑆱𑇀𑆥𑆂

𑆑𑆾𑆥𑆴𑆥𑆶𑆬𑆵𑆪𑆠𑆾। 𑆱𑇀𑆩𑆩𑆳𑆪𑆾𑆱𑆴𑆁𑆮𑆩𑆳𑆘𑆾𑆯𑇀𑆩

𑆜𑆘𑇀𑆚𑆴𑆑𑆳𑆥𑆱𑆱𑇀𑆠𑆾 ॥ 𑇐𑇓 ॥ 𑆄𑆖𑆠𑆾𑆮𑆴

𑆈.
𑆱𑆶.
𑇑𑇗

𑆬𑆩𑆑𑇀𑆠𑆘𑇀𑆚𑆴𑆠𑆾𑆢𑆥𑆱𑆳𑆑𑆠𑆼𑆱𑇀𑆩𑆳। 𑆥𑆳𑆪

𑆄𑆖𑆜𑆮𑆱𑇀𑆩𑆴𑆠𑇀𑆠𑆮𑆳𑆩𑆳𑆥𑆴𑆮𑆱𑇀𑆠𑆾 ॥𑇐𑇗॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

360

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

362

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

क्रग्यमिवाग्यउ।भकंम्बुगग्यापिरमः 363

कर्म्मिम्मद्धभ्रबुयं॥ ३॥ वमैविद्धु

विःश्रेयश्लैत्र्वि गल्लम्बुभा।वभैकवि

भमाग्या।पिमङ्कल्माग्यमिवाग्रयं॥ ५॥

भमभुल्लकल्लर्यगाग्वयस्रैपल्लकल्ल

भा।उस्मैनमैस्तुउव्याग्यकर्म्मिमिमलापिम

364

ये, नीलगलमम्बुग्रलम्बधनमः प्रलय
सम्भव ॥ ७ ॥ नमः शर्वाय भर्गाय विध
क्तभक्तसम्पूर्ण । पद्मनाभगुरुभ्यो
लब्धसिद्धये ॥ १० ॥ नमस्त्रयम्
गन्धपथीतविस्मयैः भस्म । त्रिनेत्र
हृत्कर्मैसिन्ध्यायाचकपालिने ॥ ११ ॥

366

भ्यायविनविस्तुझुायगुह्रायधूकल्झं
भ्रङ्कयविस्वङ्कभ्यायनमक्षिडुयमम्ठे॥
०७॥ वृद्धिझुविक्षुनिहुस्ठण्गङ्गंदाफ
लयेःस्तुम्नदकनलीयायनमस्तुभवमऊ
यें॥ ०३॥ ३ऽण्भ्रूवयरिक्रुत्तैलकभ्र
विक्रुडयः। यस्तुडम्रैनमस्तुकुमनापदाम

उ॰
स्तु॰
३३

तुषे ॥ ८३ ॥ मन्यामयन्नगङ्गाङ्गपक्ष
मश्राविवाशिने मलेपन्यनमः मनुस
उपङ्गायस्मैहिने ॥ ८५ ॥ मङ्गलायपवि
त्रायविष्णवेक्षयान्तङ्कृते प्रियायपरम
त्रायमनेद्रूभूयतेनमः ॥ ८७ ॥ नमः
मउत्तरङ्गायविप्रविद्याविजितगिरे वङ्गुमे

368

[illegible]

[illegible] ॥ ९० ॥

[illegible]

[illegible] ॥ ९० ॥

[illegible]

[illegible] ॥

370

११॥ आपघूर्णनं वक्त्रं भ्रमो गोत्र...

यता। ह्रस्वं वदनं यन्मध्यमत्रिवलीय

उवमः॥ १३॥ मरीनामखुविल्लृयं

त्रिभवमूर्धखिन्नः। स्तुलिङ्गटुपियं

उ०
सु०
३५

मैकम्मि मिस्कवतनमः॥१८॥ परमा

मतकैसत्यपरमाः मतनमयं। मव

[illegible] ॥३५॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥३६॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥३७॥ [illegible]

[illegible]

374

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

प्रागाग्रसूतीयमुवः ॥ ॥ सपल 381

समियसपिसनसतङ्गपिसाप्रसोय

ऊँठरगसो। सगन्तरमपिसगांकुवर

गुरमध्विकाकातुभ ॥०॥ उल्लसूवि

विणसैवतुसँपाचकूसभपयसिवसग

न्तरा। स्तुस्मिृहाप्रुणगडकंकृसिंवकृपि

382

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ८ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ५ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

386

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०८ ॥

𑆥𑆴𑆯𑆩𑆳𑆁𑆱𑆶𑆩𑆴𑆮𑆼𑆓𑆶 𑆩𑆴𑆑𑆾𑆯𑆁𑆓𑆳𑆢𑆴𑆓𑆳𑆬𑆴𑆀

𑆮𑆴𑆫𑆬𑆽𑆩𑆫𑆽𑆩𑆬𑆂𑇅 𑆇𑆑𑆥𑆴𑆫𑆳𑆩𑆶𑆜𑆮𑆶

𑆓𑆼𑆃𑆫𑆁𑆘𑆬𑆑𑆮𑆳𑆁𑆠𑆮𑆴𑆦𑆢𑆶𑆑𑆩𑆓𑆳𑆥𑆴𑇆 𑆩

𑇆 𑆩𑆇𑆂𑆬𑆜𑆮𑆑𑆳𑆥𑆥𑆑𑆽𑆑𑆓𑆮𑆴𑆬𑆽

𑆇॰ 𑆩𑆶॰ 𑇒 𑆑𑆫𑆬𑆳𑆬𑆩𑆼𑆇𑆩𑆂𑇅 𑆑𑆴𑆩𑆥𑆴𑆇𑆑𑆶𑆫𑆳𑆰

𑇒𑇒 𑆩𑆑𑆳𑆓𑆴𑆮𑆱𑆶𑆓𑆩𑆴𑆪𑆼𑆑𑆩𑆩𑆳𑆜𑆴𑆩𑆳𑆥𑆑𑆴𑆂

310

[illegible] ॥ ०५ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

उ॰ ३॰ २ २५

ग्भतमठीप्रुमलंभमम्रेदितज ॥७॥
॥ किलयस्मैवस्मिवम्प्रुवितम्यकेदतपरं
स्मिभक्तिमतवेस्तुयं । स्तुकमतम्त्तुस्मिज
वित्रमैवमेकिमपंभगयेयकवतः प्रुकें
॥१०॥ यड्भेभ्रुभयमेतिविपर्यंच्छुष्मः
प्रुहतिकिः भक्तभचैः । कंपिमणविलय

तेमिवगाहिः स्वप्रकाश्यप्रकाशकात्मनस्वरूपः ॥

१२ ॥ स्वस्तुपाजितमन्त्रेशि खलोकेश्वा

पदमम रस्त्ररमह्ह । वीरसंतस पिलंठ

यस्मिन्नुदज्जन्नमततममनविदीवमा ॥

१३ ॥ वतनाप्तस ... यमज्जरह्ठवम

ज्ञातिमयप्रसूयवद्भुः । यमस्यंभूषा

उ०
मु० ८
८०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

394

अक्षिवशी। गत्वापाण्डिकयाचर्यमंसु
वंसप्रवेशय ॥ ० ॥ ठचक्कस्तुश्रुहरागैं
गण्डित्रक्रिठप्ररक्षः। त्रथागठमार
सूत्रतुरःप्रामर्दकसा ॥ ७ ॥ ठस्तकर
चैठगवत्रियमैवाजयभ्रूसा। ठस्तच

उ॰ मु॰ ५

८१

अतिथ्यकेठवयंभत्हसाप्वगः ॥ ७ ॥ श्र

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

396

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] 399

[illegible] ॥०८॥

[illegible]

[illegible]

॥०५॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

भुल्लेखनगिह्वमा। उक्तंविशेषणमिकं

रोप्यदितमसमर्मेहृत्स्वधमा॥७॥

विसर्वाङ्गस्मसम्भ्रपिविषयस्थानङ्गित

तुमर्त्तोपि। हृत्सिद्धिःसमक्तिःमसतरली

लतहृत्स्यास्वरूपमा॥ ७० ॥ कामिम

रोमतिघ्रतघामसगीस्मेधुस्भ्रकर्ल्लवसि

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्रग्गाल्लिङ्गपरमिन्द्रयग्गाल्लिं केयूरविस
र्पिभक्तं ठवर्त्तेक्लिष्ट ॥ १३ ॥ स्रवप्र
पिधूर्णठंमिविमाम्स्रुतेस्फुरितेरकि
भ्रूपयुक्तेज्ञुकुमतिःम्रक्षठर
ञ्चङ्गंभमकठरस्रुरन्तब्लारत्नःस्तुमः॥
१४॥ किमपिनायकरूसरमंडमिभू

404

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥ १ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ २ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]

408

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

409

[illegible]

410

वल्लीभभल्लभङहकिनिग्नलङ।
ङगवङ्गानङ्गमभाःम्लुङाम्रुमेमिक्मयी
प्रद्विः ॥ ७ ॥ गगःलिभयठवाम्क
लठिंङ्कङ्कठिठःवकाम्भिकउँम्नुःस्तु
मृःययउगमैकंःध्रवक्कुपढियषाः
वःमिापगः ॥ ८ ॥ ङ्कन्नगग्नठव

७·
मु·१
५५

[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ५ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ६ ॥ [illegible]

515

तस्मादेव प्रसिद्धिर्भूतः ॥ ० ॥
द्वन्द्वत्वपरिणामचलत्वस्थानकैर्युक्त
परिणामधर्मैर्युक्तः । अचकान्तमिदम्
परमसूक्ष्मयोगमहिमांसिविद्र
॥ ९ ॥ लोकवस्तुवत्सविपर्ययप्र
तापवत्गवत्परितप्तः । केवलं तत्

उ॰
सू॰ ५
५१

[illegible]

416

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

417

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

क ॥ ०० ॥ उपचारान्तु विधौ सममुपस्थ

तुपि मित्रा विषयं स्मृतः परोक्ष। सम

ज्ञात्र मित्र नमूकं स सहसा गालिपरं

परिभूगतु ॥ ०० ॥ यत्र सम्बन्धे

दक्षु पितृ सम्बन्ध सकृत् षष्ठ वर्ष। तप

गतो तीर्थ सकृत् सपत्न विकस

419

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

421

422

[illegible]

१०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

424

ष्ठितरमाम्ना विदुःस्त्रीं करुणपूर्णे ॥ ८॥

ष्ठवस्तु परमं कुर्मिदं गस्तु परमात्मना।

हृस्थ ज्ञित्वा विकल्पकं छिन्नत्वा मे श्रुतम्

ज्ञितः ॥ ७ ॥ अहंमेवत्वमास्तु कस्मै गा

उ॰ त्मभवस्तु हृत्स्थ विवर्मेत्मना। उष्णेषां

सु॰ ७

७३ वगविणनं अचरस्तु कल्पयिष्यामि ॥ १० ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ११ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १२ ॥ [illegible]
[illegible]

426

428

𑆓𑆸𑆩𑆠𑆇𑆢𑇀𑆣𑆸𑆠𑆱𑆁𑆘𑇀𑆚𑆂𑇅 𑆪𑆱𑇀𑆩𑆳𑆢𑇀𑆮𑆲𑇀𑆤𑆴𑆱𑇀𑆠𑆩𑆪𑆓𑇀𑆫
𑆇𑆥𑆮𑆲𑇀𑆤𑆴𑆁𑆑𑆱𑇀𑆩𑆳𑆱𑆩𑆮𑆬𑆾𑆑𑆪𑆴𑆠𑆳𑆱𑇀𑆩𑆴
𑇆𑇗𑇐𑇆 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆠𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆸𑆮𑆴𑆫𑆤𑇀𑆪𑆳𑆁𑆱𑇀𑆤𑆴𑆤𑆮𑆱𑆄
𑆮𑆂𑇆 𑇆 𑆤𑆩𑆾𑆯𑇀𑆪𑆬𑆱𑆩𑆮𑆱𑆁𑆠𑆼𑆤𑆳𑆓
𑆱𑆼𑆑𑆥𑆸𑆏𑆾𑆫𑆴𑆱𑇀𑆩𑆳𑇅 𑆩𑆳𑆁𑆠𑆼𑆱𑇀𑆮𑆓𑆳𑆱𑇀𑆫𑆤𑆳𑆓
𑆇𑆩𑆴𑆠𑆼𑆱𑇀𑆪𑆁𑆱𑆩𑆳𑆱𑇀𑆫𑆪𑆠𑆳 𑇆 𑇐 𑇆 𑆪𑆼𑆱

429

430

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ऽेवमचः कालैश्शुद्धमन्वद्धेनप्रदत्ते॥
४॥ त्वत्कृतमभिवृद्धेमत्कुभागलित्वे
कृपिःप्रदत्तुयान्तेभूमन्तञंदागीऽरण
मःकलः॥ ५॥ गतिंयाभक्तीय
यनेश्यामैरवपूर्वेस्मलौकिकमक
श्रीपिभाग्यद्भुमैकलङ्कल॥ ६॥

432 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

434

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

436

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

438

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ 74 ॥ 439

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ 75 ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥

440

व ॥ ७ ॥ जिह्वावना पितुर्मपीनघ
स्मामिवधूतिवतेतिवञ्छपः । किमि
वतसूत्रलंसुक्तकमले त्रवतिनापतंव
स्मात्समते ॥ ७ ॥ येनन्नैवतवतेस्मि
विचित्रंकिस्मिन्पिलागतंधूतवस्म ।
इत्तिहृत्सिसमर्केकृतकसमस्मधूमति

442

[illegible]

444

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

किमिवलहुडेवडरेडेगपिवाषरन्वेःह 445

मपिकेडवाम्पिमयेउवनाग्निवड़ः

मिमिमयुापमोपरउषाडूम्पेमम

वउमरलेतिमामिकमपेमियषावि

ठवभा ॥ ०० ॥ मभ्भेमचममाङ्केमोप

गमिवहूमरहुमनलाण्डरमृमिमत्रगूकप

446

𑆬𑆬𑇀𑆬𑆳𑆛𑇀𑆛𑆫𑆬𑆩𑇀𑆱𑇀𑆡𑆵𑆩𑆝𑇀𑆝𑆴𑆱𑇀𑆦𑆶𑆬𑆳𑆥𑆶𑆳।

𑆑𑆳𑆑𑆳𑆢𑇀𑆥𑆶𑆠𑆴𑆟𑇀𑆝𑆴𑆬𑆼𑆑𑆫𑆩𑆢𑆳𑆩𑆵𑆬𑆼

𑆓𑆩𑆠𑇀𑆑𑆳𑆑𑇀𑆑𑆩𑇀𑆱𑆵𑆑𑆳𑆓𑇀𑆱𑆶𑆮𑆴𑆤𑆳𑆩𑆪𑆳𑆱𑆶

𑆜𑆜𑆓𑆳𑆢𑆳𑆟𑇀𑆝𑆶𑆩𑆴𑆑𑆶𑆥𑆓𑆳। ॥ ०० ॥

𑆝𑆑𑇀𑆑𑆴𑆮𑆳𑆕𑆜𑆮𑆼𑆤𑆪𑆝𑆜𑆓𑆮𑆳𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆩𑆝𑆳𑆩

𑆱𑆶𑆝𑆼𑆜𑆮𑇂𑆱𑇀𑆫𑆳𑆑𑇀𑆑𑆴𑆩𑆝𑆱𑇀𑆩𑆼𑆝𑆫𑆮𑆝𑆻𑆤𑆳𑆩𑆳𑆱𑆶

𑆇. 𑆱𑆷. ०० १३

450

[illegible]

[illegible]

॥ ० ॥ [illegible]

[illegible]

उ. मु. ०७ १५

[illegible] ॥

७ ॥ [illegible]

452

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

454

𑆬𑆑𑇀𑆰𑆴𑆪𑆂 𑇆 𑇓 𑇆 𑆜𑆮𑆩𑆱𑇀𑆩𑆴𑆤𑇀𑆃𑆫𑇀𑆓𑆼𑆤𑇀𑆢𑇀𑆫𑆼
𑆫𑆷𑆥𑆓𑆴𑆬𑆵𑆫𑇀𑆤𑆓𑆬𑆴𑆠𑆥𑆫𑇀𑆤𑇀𑆡𑆬𑆂 𑇅 𑆱𑇀𑆮𑆠𑆴
𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆨𑆑𑇀𑆠𑆥𑆫𑇀𑆪𑆓𑆠𑆂 𑆥𑆫𑆴𑆠𑇀𑆫𑆶𑆱𑇀𑆡𑆶𑆮𑆴𑆩𑆫𑇀𑆓𑆼𑆪𑆳𑆠𑇀
𑆱𑇀𑆫𑆶𑆖𑆳 𑇆 𑇗 𑇆 𑆪𑆠𑇀𑆱𑆶𑆩𑆤𑇀𑆘𑇀𑆚 𑆬𑆴𑆮𑆜𑆮𑆠𑇀𑆫
𑆩𑆤𑇀𑆑𑇀𑆫𑆬𑇀𑆢𑆠𑆑𑇀𑆰𑆴𑆠𑆂 𑇅 𑆠𑆱𑇀𑆩𑆳𑆣𑇀𑆫𑆮𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆓𑆬𑆴𑆝𑆁
𑆠𑇀𑆫𑆴𑆟𑆳𑆤𑇀𑆠𑆁𑆠𑆮𑆼𑆩𑆴𑆠𑆩𑆳 𑇆 𑇑𑇐 𑇆 𑆜𑆓𑆮𑆑𑇀𑆠𑇀𑆫

𑆇. 𑆱𑆶. 𑇐𑇗 𑇑𑇒

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

456

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

उ॰ मे॰
१३
७५

458

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆫𑆴𑆥𑇀𑆫𑆢𑆠𑆥𑆼𑆮 𑇅𑇐𑇑𑇅 𑆱𑆠𑆱𑆂 𑆑𑆴𑆬𑆠

𑆠𑆮𑆳𑆤𑇀𑆢𑆮𑆳𑆱𑇀𑆠𑆳𑆮𑆑𑇀𑆠𑆼𑆥𑇀𑆫𑆨𑆽𑆮𑆱𑆠𑇀𑆮𑆥

𑆪𑆾𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆬𑆴𑆑𑆱𑆼𑆘𑆶𑆪𑆳𑆱𑆠𑇀𑆠𑆶𑆂𑆥𑆫𑆴

𑆱𑇀𑆛𑆴𑆠𑆮𑆱𑇀𑆠𑆶𑆂𑆱𑆒𑇀𑆲𑆷 𑇅𑇒𑇐𑇅 𑆠𑆱𑆳𑆱

𑆠𑆴𑆱𑇀𑆩𑆼𑆠𑆴𑆪𑆳𑆠𑆛𑆮𑆠𑆴𑆢𑇀𑆫𑆱𑆴𑆱𑇀𑆠𑆶𑆨𑆪𑆵𑆨𑆱

𑆱𑆶𑆛𑆨𑆼𑆠𑆳𑆱𑇀𑆠𑆳𑆮𑆝𑆽𑆮𑆨𑆳𑆱𑆢𑆠𑆳𑆱𑆽𑆠

460

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ 𑇑𑇐 ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ 𑇑𑇑 ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

462

[illegible]

463

ड्रां ॥ ७१ ॥ ठं वं ठं वडयमत्तुठवक्तु

वंशोठवं। डषांवं क्लिं क्लिं मस्य पुत्र क्लिं क्लिं

ठवडे ह्रषां ॥ ७२ ॥ यत्र क्लिं क्लिं मपित

त्र क्लिं क्लिं मस्य पुत्र क्लिं क्लिं मपि क्लिं क्लिं मेव

मे। भचषां ठवड्रुड्रुंवडठवक्षचवेठ

वडिलमुप्रलिडः ॥ ७३ ॥ रुद्राणि

464

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

466

[illegible]

॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥५॥ [illegible]

[illegible]

सर्वस्य तदु सर्वस्यास्य बाह्यतः 467

॥५॥ यस्तु सर्वाणि भूतान्यात्मन्येवानुपश्य-

ति सर्वभूतेषु चात्मानं ततो न विजुगुप्स-

ते ॥ यस्मिन्सर्वाणि भूतान्यात्मैवाभूद्विजानतः

॥६॥ तत्र को मोहः कः शोक एकत्वमनुपश्य-

तः ॥ स पर्यगाच्छुक्रमकायमव्रणम्

468

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

470

𑆪𑆼𑆪𑆮𑆶𑆯𑆬𑇀𑆪𑆳𑆤𑆶𑆨𑆷𑆫𑆶𑆬𑆘𑇀𑆚𑆳 𑇆 𑇐𑇓 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵

𑆩𑆶𑆯𑇀𑆫𑆾𑆠𑇀𑆫𑆩𑆤𑆶𑆱𑆠𑇀𑆫𑆶𑆨𑆓𑇀𑆫𑆠𑆾𑆮𑆶𑆖𑆶𑆫𑆑𑇀𑆰𑆷𑆩𑆳𑆫𑆶

𑆤𑆑𑇀𑆫𑆩𑆖𑆱𑆳𑇅 𑆱𑆷𑆁𑆨𑆷𑆱𑆳𑆱𑇀𑆪𑆥𑆫𑆩𑆳𑆩𑆠𑆳

𑆮𑆳𑆪𑆳𑆤𑆑𑆼𑆤𑆪𑆓𑆶𑆬𑇀𑆬𑆯𑆷𑆮𑆶𑆖𑇀𑆗𑆠𑆶𑆂 𑇆 𑇐𑇓 𑇆

𑆪𑆠𑇀𑆫𑆩𑆨𑆷𑆩𑆟𑆓𑆳𑆠𑆮𑆱𑆷𑆱𑆷𑆩𑆢𑆘𑇀𑆚𑆩𑆳𑆫

𑆮𑆶𑆜𑆶𑆤𑆳𑆱𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶𑆠𑆶𑆩𑆳𑇅 𑆠𑆁𑆱𑆩𑆢𑆪𑆬𑆶𑆯

𑆓𑇀𑆫𑆁
𑆯𑆷𑆁
𑇐𑇓
𑇓𑇕

[illegible]

[illegible] || [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] || [illegible] || [illegible]

[illegible]

472

474

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वमन्दन्मेवमन्देस्मुर।पाचडीभुलयि
छुवभचगीचालप्रचस॥ ७ ॥
यइेलैरुवास्त्रेकलाछुनालिक
लैमन।सयपीडतुलैकत्रिकल
ज्ञिङ्ककतुर ॥ ७ ॥ सयप्रतुहिस
हुङ्गमितमुलैल्लभक्कुर।सयघेस्कुमा

476

[illegible]

[illegible]

॥ १ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ २ ॥ [illegible]

[illegible]

478

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

480

[illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०१ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥०५॥

[illegible]

482

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

लौकित ॥१०॥ स्वयम्भुमन्दरुमपा
शीलतविश्रुत। स्वयम्भुपत्रस्वस्ता
स्वलतैकपूर्येस्व ॥११॥ स्वयम
नभितिम्बंमकस्वलौकस्यमस्वक। स्व
यठत्रिमस्वलौललीलौद्दलमकेङ्क
व ॥१२॥ स्वयस्वयठस्वस्वस्वय

484

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ज्ञाप्यवतस्तुतः ॥ ० ॥ अन्यीयकल

विषयत्रिरण्यगान्तुन्दन्तद्वितः। सात्त्वि

अपिपर्वन्वाघठत्रिमत्तैरण्यगन्तुत्ते॥ ७॥

नमत्तैवन्नमत्तैवन्तुभस्त्रैः धूलप

तुभी। ठन्नाः श्रुत्रिपसैस्त्राणैयमाग

पघगवते ॥ ७॥ नविरक्तौनमाधीसे

486

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ 𑇑 ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ 𑇒 ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ 𑇓 ॥ [illegible]

488

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

490

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

491

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०१ ॥

[illegible]

494

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

496

णभिर्मे। केवलं भक्त्या कोपि ठक्कुरके मे

स्तुतिममम ॥ १ ॥ ठक्कुरकीर्वे पिठक्कुरे

ठपाय्यात्मनस्वीयम। भक्त्या मे यं मह्यं

सर्वस्वं ममिवे कुलभा ॥ १ ॥ विष

भक्त्यापि भक्त्यापि कस्य त्वपि न भक्तपि। ग

श्रीगेपि विमित्रे पि ठवे यं ठक्कुरः पूर्णं ॥

उ० स्तु० १

७३

॥६॥ सङ्गांत्वांमाश्रितंवैश्रुंउसत्तुदसिवा
बद्धि:। मिहुमासघद्वरसवात्रिविकल्पक्षि
ति:सुयशा ॥ ७ ॥ सङ्गाविश्वात्रकोपि
उवाभउकल्लैविव। हक्षुत्तैवात्तुगाविहु
शीक्लौंभापुत्रप्रमिति: ॥ ८ ॥ सु:पा
पिवसवासत्त्रिभउंसौंगायकल्पलै। ये

[illegible]
॥ १० ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ११ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १२ ॥ [illegible]

ऊ.
मु.
१०
११

श्रीजन्मोठित्राहृत्तेवदिठित्रत, त्रि
धूतिस्त्रित्रिवस्तुंकंठत्रावंदुंतगलो
॥ ७८ ॥ भक्तावभवरागालिविध्वक
विभलंभरः । यस्माभोठत्रिभंल्लोक
उन्मीलः कथंठवेत ॥ ७५ ॥ गग
नेषत्रुकरैपियेषंठत्रित्रिषानितः

500

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥१०॥

[illegible]

[illegible]

॥११॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥१२॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

504

॥ ९१ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ९२ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ९३ ॥ [illegible]
[illegible]

𑆥𑆶𑆬𑆪𑆼𑆕𑇀𑆓𑆮𑆩𑆫𑆤𑆩𑆪𑆳𑆥𑇀𑆤𑆓𑆩𑆥𑆥𑆶𑆫𑆁 505

𑆩𑆴𑆮𑆁𑆮𑆢𑇀𑆣 ॥ 𑇑𑇗 ॥ 𑆥𑆫𑆩𑆼𑆱𑇀𑆮𑆫𑆠𑆳𑆬𑆳𑆧𑆢

𑆥𑇀𑆫𑆖𑆳𑆟𑆮𑆩𑆖𑆼𑆱𑆪𑆱𑆵 𑆩𑆴𑆠𑆱𑇀𑆱𑆶𑆢𑇀𑆮𑆳𑆱𑇀𑆥𑆥𑆳

𑆥𑆴𑆠𑆧𑆼𑆮𑆝𑆼𑆪𑆪𑆼𑆩𑆁𑆬𑆳𑆓𑆩𑆳𑆟𑆳𑆇𑆪𑆧𑆳𑆠

𑆧𑆳𑆟𑆳𑆠𑆴 ॥ 𑇗𑇐 ॥ 𑆪𑆱𑇀𑆩𑆳𑆢𑇀𑆮𑆩𑆼𑆱𑆳𑆥𑇀𑆫𑆂

𑆣𑆼𑆱𑇀𑆱𑆩𑆱𑇀𑆮𑆮𑆂 ॥ ॥ 𑆄𑆢𑆼𑆑𑆼𑆥𑆴𑆬𑆳𑆪

506

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

508

मौक्रियाउग्राः कर्त्ता मूर्द्धः पर

॥ १ ॥ वृक्षसीन भपीसन्नुतममौ

गृह गिरः । येषां स्वप्रपिमौष्ठपिक्षि

उ॰ मूर्द्धस्त्रैर्द्धवः ॥ २ ॥ ल यडं गृतं

मु॰ अन्तं प्राप्यतें नसकेवलम् । ठ्ठाउं

०१

०॰२ वसहग्गभङेयां वसुस्तर ॥ ३ ॥

[illegible]

[illegible]

मः ॥ ७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

510

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

512

ङमरमा ॥०७॥ ठक्कारं ठक्किसंयं

गमदिक्षविवमाक्षरमा। कौञ्जीविं

लादेवः श्रुद्ध्रुद्धरस्तमक्ष्णरात्॥०१

॥ मत्तंद्रुद्धमा स्फुद्धा ग्रणपादमदेस्त्र

वः।द्धुद्धुआ ऽकमपु स्त्रिदेउम्र ताय

कल्पदत्मा॥०८॥ स्त्रद्धयामीसा

उ॰ सु॰ ०१ ००९

[illegible]

514

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

516

[illegible]

[illegible]

[illegible]

उ॰ [illegible]

सु॰ [illegible]

०१ [illegible]

०॰५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥ ७३ ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ७४ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]

520

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ज्ञांहृषि। मिङ्क्षैर्ष्यैर्याप्यक्षीन
ङ्ग्यः पदं छलमा ॥ ७३ ॥ तपमा
त्पमंप्रगकेषां मिङ्क्षुद्रूपधुये। छत्रा
तं छवस्कक्षुरिचतिपूमनत्तुमः ॥
७७ ॥ मप्मभमुक्षुपांक्षांछत्तुमं
मतिरजलैः। विडत्ममपालछतपूउ

522

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

३ः
स्रुः
०१
०००

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

524

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

526

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

529

530

[illegible] ॥ ७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०० ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

532

१३॥ कवमीयमिन्द्रामिवस्तुतइंविव
मीतुंकतुवन्दपन्दभञ्जा। तम्मेवद्धि
भक्तपमेमुस्तुभमंतेन्द्रतेन्द्रोमिसम
त॥१४॥ सातुयेनभापलिखतम
वाण्ठत्रिभस्तुतमस्मेयुतैःभूतैः। मेद्वस
नाण्ठलापिवाजवात्मदङ्कस्यद

उ॰
मे॰
१३
११२

तिलः प्रः ॥ ७५ ॥ हगौतमसंधक
पण्यापिकंस्वभंगवभ्रितैः। ठक्ति
ठस्पस्पंवसूआंपिलंडूड्ड्नंधभव
मैभफेड्डवः ॥ ७६ ॥ सुभैदवलयसू
वडूयः भचडः मिमिल्वडूयैपिडः।
डुभवपुष्मरुमीजुंविमैनंघठक्ति

534 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

05
007 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

536

[illegible]

[illegible] ॥ ७० ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ० ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

538

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ २ ॥ [illegible]

540

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆠𑆴𑆂𑆥𑆫𑆴𑆱𑇀𑆫𑆶𑆠𑆳𑆩𑆵 ॥ 𑇐𑇐 ॥ 𑆱𑆼𑆮𑆥𑆷𑆩𑆵
𑆱𑇀𑆪𑆳𑆁𑆮𑆼𑆢𑇀𑆢𑆼𑆱𑆳𑆁𑆤𑆥𑆫𑆴𑆥𑆠𑇀𑆠𑆴𑆑𑆳𑆂 𑆥𑆫
𑆩𑆳𑆫𑇀𑆓𑆩𑆥𑆽𑆮𑆱𑇀𑆫𑆳𑆁𑆑𑇀𑆫𑆶𑆪𑆳𑆁𑆩𑆤𑆶𑆩𑆳𑆁𑆝𑆱𑇀𑆑𑆶𑆓𑆂 ॥
𑇑𑇐 ॥ 𑆢𑇀𑆫𑆱𑇀𑆠𑆶𑆠𑇀𑆫𑆴𑆩𑆟𑆳𑆩𑆽𑆤𑇀𑆢𑇀𑆫𑆳𑆁𑆮𑆤𑆩𑆳𑆥𑇀𑆫
𑆢𑆁𑆩𑆩𑆳𑆱𑆶𑆮𑆴𑆢𑇀𑆢𑆼 । 𑆪𑆳𑆁𑆮𑆑𑇀𑆠𑆴𑆩𑆤𑆶𑆢𑇀𑆫𑆶𑆠𑇀𑆠𑆼
𑆠𑆴𑆂𑆱𑆼𑆪𑆳𑆁𑆩𑆳𑆁𑆮𑆳𑆁𑆩𑆤𑆂 𑆱𑇀𑆠𑆶𑆢𑇀𑆫 ॥ 𑇑𑇑 ॥

542

543

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ० ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
॥ ७ ॥ [illegible]
[illegible]

546

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥५॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥६॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥७॥ [illegible]
[illegible]

548

निकयथाथाणाक्तुण्त्रप्रुल्लैवस्यते॥

३॥ भस्मभग्निविर्वैस्मयभस्मक्तिजि

यथाभिवे। भस्मइक्तुववनानङ्कभृयय

भिवेरमः॥ ७ ॥ वकापिगङ्गादिव

पिवकिक्षिमिस्मवमवमे। कंठङ्कङ्

पसुत्तिकष्टामुहैर्वभैरमः॥ ०॥

549

𑆯𑇀𑆬𑆑𑇀𑆰𑆵𑆩𑆩𑆑𑆶𑆁𑆑𑆴𑆩𑆮𑆸𑆠𑇀𑆠𑆥𑆡𑆳𑆁𑆱𑆴𑆠
𑆩𑆳𑇅 𑆱𑆣𑆑𑆱𑆫𑆴𑆑𑆶𑆤𑇀𑆠𑆁𑆑𑆴𑆩𑆮𑆸𑆠𑇀𑆠𑆥𑆡𑆳
𑆱𑆴𑆠𑆩𑆳 𑇆 𑇑𑇐 𑇆 𑆤𑆂𑆥𑆳𑆠𑆶𑆥𑆴𑆨𑆳𑆥𑆳𑆪
𑆠𑇀𑆫𑆴𑆥𑆴𑆰𑆩𑆥𑆷𑆩𑆠𑆳𑆥𑆠𑆿𑇅 𑆩𑆽𑆱𑇀𑆛𑆳𑆥𑆠𑆱𑆩𑆁𑆨𑆳
𑆫𑆽𑆥𑆠𑆨𑆳𑆤𑇀𑆤𑆂𑆱𑆩𑆱𑇀𑆑𑆸𑆠𑆂 𑇆 𑇑𑇑 𑇆 𑆥𑇀𑆫𑆬𑆾
𑆩𑆥𑆷𑆮𑆱𑇀𑆩𑆳𑆮𑆱𑆤𑆂𑆯𑆴𑆑𑇀𑆰𑆂𑆥𑆁𑆖𑆮𑆑𑇀𑆰𑆂𑆱𑆢𑆳𑇅

550

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

554

श्रीगणेशायनमः ॥ अस्य श्रीभगवद्गीता
मालामन्त्रस्य श्रीभगवान्वेदव्यास ऋषिः
अनुष्टुप्छन्दः श्रीकृष्णः परमात्मा देवता
अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावादांश्च भाष
से इति बीजं । सर्वधर्मान्परित्यज्य मामे
कं शरणं व्रज इति शक्तिः अहं त्वां सर्वपा

भ० गी० ० ०३१

555

556 ङ्कु ग न मलैघं भक उन ङुह्नाभिकहं

नमः । पसूभैय क्रङ्कुप । लिमउमैषम

रूमूमङुउिकविभुकाहुंनमः । नवलि

ठ. णविभिह्ना विनव वक्लूङुङ्गीविमउिक

गी. रउल्लफभुहुंनमः ॥ ङुउिकनह्ना भः ॥

० वैवंक्किमउिमसहुाल्नीउिहूम्ययघनमः

०९३

558

𑆪𑆾𑆓𑆂 ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆝. [illegible] 𑆥𑆓𑆮𑆠𑆵 [illegible]

𑆓𑆵. [illegible] 𑆥𑆓𑆮 [illegible]

o

0[illegible] [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

560

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ठ. [illegible]

गी. [illegible]

०
०उ. [illegible]

[illegible]

562

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

564

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

566

[illegible]

567

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆱𑇀𑆠𑆴𑆩𑆶𑆒𑆽𑆮𑆱 ॥ 𑇖 ॥ 𑆃𑆓𑆾𑆫𑆱𑆫

𑆢𑆮𑆂𑆱𑇀𑆒𑆳𑆩𑆱𑆾𑆤𑇀𑆠𑆴𑆯𑆵𑆥𑆤𑆂 𑆑𑆳𑆓

𑆩𑆤𑇀𑆒𑆳𑆤𑆳𑆁𑆠𑆂 𑆃𑆓𑆾𑆮𑆶𑆒𑆶𑆥𑆴𑆱𑆳𑆫𑆱𑆂

॥ 𑇗 ॥ 𑆃𑆡𑆥𑆢𑆳𑆁𑆒𑆶𑆠𑆱𑆫𑆳𑆁𑆑𑆁𑆫𑆬𑆁𑆑𑆵

𑆑𑇀𑆰𑆴𑆫𑆢𑆴𑆠𑆩𑆵। 𑆥𑆢𑆳𑆁𑆒𑆶𑆢𑆴𑆱𑆩𑆾𑆠𑆾𑆁

𑆫𑆬𑆁𑆑𑆵𑆩𑆳𑆁𑆑𑆴𑆫𑆢𑆴𑆠𑆩𑆵 ॥ 𑇑𑇐 ॥ 𑆃𑆡

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥

१० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ११ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

574

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

576

ठ.
गी.
०
०७३

कुभतीवमत्तोभव: ॥७०॥ विमित्राणि
सपस्तुभिविपरीत्तंविकेमव,वमभूते
चपस्तुभिदद्दुःखरत्नभाद्दवे ॥७०॥
नकच्चिदज्ञानसंमोहंभावानि
स,किंतेगाहेन्द्रगोविन्द,किंठंगत्नीवि
तेनवा ॥७१॥ येषामर्थेकांक्षितंनो

577

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

578

लोक्यराज्यस्य हेतोः किं नु महीकृते
॥ ३५ ॥ निहत्य धार्तराष्ट्रान्नः का प्री
तिः स्याज्जनार्दन । पापमेवाश्रयेदस्मा
न्हत्वैतानाततायिनः ॥ ३६ ॥ तस्मा
न्नार्हा वयं हन्तुं धार्तराष्ट्रान्स्वबा
न्धवान् । स्वजनं हि कथं हत्वा सुखिनः स्या

भ॰ गी॰ ०३७

579

माणव ॥ ३१ ॥ यज्ञोपवीतेनसंस्त्रि

लैकौ पठेत मेत्तमः । ज्ञानन्दयत्तेऽपि

धर्मिकृत्त्वेन समयपत्तकमा ॥ ३३ ॥ क

रीवल्लु यम अन्नठिः पा पाम मम त्रिव

त्रितमा । ज्ञानकपत्तेऽपि धर्मपम

त्रितलकणन ॥ ३४ ॥ ज्ञानदयेधृ

[illegible]

580

[illegible]

𑆥𑆴𑆠𑆾𑆲𑇀𑆫𑆸𑆰𑆼𑆬𑆧𑆶𑆥𑆴𑆕𑇀𑆓𑆼𑆯𑆑𑆢𑇀𑆨𑆴𑆪𑆳𑆂
॥ 𑇒𑇗 ॥ 𑆱𑆽𑆣𑆽𑆫𑆠𑆽𑆂 𑆠𑆬𑆥𑇀𑆫𑆳𑆮𑆁𑆮𑆬
𑆩𑆁𑆑𑆫𑆑𑆫𑇀𑆑𑆽𑆂𑇅 𑆠𑆑𑇀𑆰𑆱𑆶𑆠𑇀𑆠𑆼𑆫𑆠𑆴𑆥𑆢𑇀𑆩𑆂
𑆠𑆳𑆬𑆥𑆢𑇀𑆩𑆱𑇀𑆮𑆩𑆳𑆱𑇀𑆮𑆠𑆂 ॥ 𑇒𑇘 ॥ 𑆠𑆢𑇀𑆩𑆤
𑆠𑆳𑆬𑆥𑆢𑇀𑆩𑆳𑆤𑇀𑆠𑆼𑆩𑆫𑆧𑆶𑆳𑆤𑇀𑆠𑆼𑆱𑆤𑆳𑆑𑇀𑆰𑆤𑇅𑆤
𑆫𑆑𑆽𑆤𑆴𑆪𑆝𑆁𑆮𑆳𑆩𑆽𑆜𑆮𑆠𑆵𑆲𑆫𑆱𑇀𑆠𑆶𑆱𑇀𑆫𑆷𑆩 ॥

582

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

583

5984

रूपया विष्णुमभूत्प्रलोकान्तलोकान्नमा॥ वि

धीमत्त मिमं वा रूपं वा मम प्रमनः॥

० ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ उत्सृज्य कर्म

भ. गी. मिमं विषयेभ्य अपक्षितमा। सर्वादय

१ अभ्युत्थमकीर्तिकरमक्षर ॥ १ ॥ लोकं

०२१ अन्यगामः पाकैरुत्क्षुप्तपत्रं। भूं

585

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

586

587

588

भ.

गी.

३

०२२

गुडाकेशः परन्तप । न योत्स्य इति गोवि-
न्दमुक्त्वा तूष्णीं बभूव ह ॥ ९ ॥ तमुवाच
हृषीकेशः प्रहसन्निव भारत । सेनयोरु-
भयोर्मध्ये विषीदन्तमिदं वचः ॥ १० ॥
श्रीभगवानुवाच ॥ अशोच्याननुशोचस्त्व-
ं प्रज्ञावादांश्च भाषसे । गतासूनगता-

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

591

यज्ञिति: ॥ ०६ ॥ सुविकामित्रत्रिधि
पोत्सवमिच्छंतमा। विकासमहदयसू
सूरकश्चिकृत्तमददति ॥ ०७ ॥ सत्रवत्त
गुमेघर्दविदसौत्त्राः सगीरितः। सुरा
सितधूमयमुज्जम्भकृष्णमुठरुक ॥ ०८ ॥
यस्तंवंदित्रिदक्षांग्यत्सैस्तंमहत्तेदतमा।

592

ङ्कं ध्यात्वा प्रतिजन्मिकम् ॥ १० ॥
वांछितानि रिपवा विद्यारव
विगलन्ति रोगपापानि । तत्र मीम
नि विद्यारल्नीत्व द्वारिमंपातिर
वा निम्नी ॥ ११ ॥ रेखांकितं तिमघ
नि रेखांमनतिपावकः । रमेरूंज्ञेमय

594

[illegible]

त्रिनेत्रं महेशं भजतमां । तत्राधि
हृं मदनारादिदैवं सैं स्मितमहसि ॥
७० ॥ एतत्सुदिनपूर्वैं भतदृत्रूवं श
मभतसुम । तत्स्मपादिनवेत्रै
रहं सैं स्मितमहसि ॥ ७१ ॥ श्रव
त्रश्रीविक्रतं विष्टत्रमश्रुविठत

596

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ठ. [illegible]

गी. [illegible]

[illegible]

शिवहुं मैं मितु मदमि ॥ ६९ ॥ अथ
यमपिमान्चेहु न विक मितु मदमि
न हु हु यहु हू येर हू हि यस्त वि
हुत ॥ ७० ॥ यम स्तु यामें पपत्रं
सत्र हु न मधा वत मा । अपि रः ह
हिधाः पा कल न हु यहुभीम मभा

598 ॥ ३२ ॥ अथ चेत्त्वमिमं धर्म्यं संग्रामं
न करिष्यसि। ततः स्वधर्मं कीर्तिं च हि
त्वा पापमवाप्स्यसि ॥ ३३ ॥ अकी
क. र्तिं चापि भूतानि कथयिष्यन्ति तेऽव्यया
गी. म्। सम्भावितस्य चाकीर्तिर्मरणाद
३ तिरिच्यते ॥ ३४ ॥ भयाद्रणादुपरतं
०२७

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

600 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

602

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ठ· गी· ३ ०५०

603

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

604

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

605

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ५० ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

606

𑇅 𑇕𑇐 𑇅 [illegible]

[illegible]

[illegible] 𑇅 𑇕𑇓 𑇅 [illegible]

𑆜.

𑆒𑆵.

𑇗

𑇐𑇕𑇓

[illegible]

[illegible]

[illegible] 𑇅 𑇕𑇓 𑇅 [illegible] 𑇅

स्थितप्रज्ञस्य का भाषा समाधिस्थस्य केशव ।
स्थितधीः किं प्रभाषेत किमासीत व्रजे
त किम् ॥ ५४ ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ प्र
जहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थ मनोग
तान् । आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्य
ते ॥ ५५ ॥ दुःखेष्वनुद्विग्नमनाः सुखेषु

608 विगतस्पृहः । वीतरागभयक्रोधः स्थित

धीर्मुनिरुच्यते ॥ ५६ ॥ यः सर्वत्रानभि

स्नेहस्तत्तत्प्राप्य शुभाशुभम् । नाभिनन्दति

ठ· न द्वेष्टि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ॥ ५७ ॥ यदा

गी· संहरते चायं कूर्मोऽङ्गानीव सर्वशः । इन्द्रि

३

०५ याणीन्द्रियार्थेभ्यस्तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ॥

[illegible]

610

णि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता ॥१०॥ ध्यायतो
विषयान्पुंसः सङ्गस्तेषूपजायते। सङ्गा-
त्संजायते कामः कामात्क्रोधोऽभिजायते ॥१२॥
भ. क्रोधाद्भवति संमोहः संमोहात्स्मृतिविभ्र-
गी. मः। स्मृतिभ्रंशाद्बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात्प्र-
७
०५५ णश्यति ॥१३॥ रागद्वेषवियुक्तैस्तु वि

घयाविध्रियैर्ज्ञानं। शुद्धवस्त्रैर्विणयं[illegible]
पूजाकमणिगस्तुते॥ १३॥ पूजाकर्मच
नः[illegible]विसर्गपरस्ययतेः। पूजनं मेते
मैहृस्तुवृत्तिः पदवतिभुते॥ १४॥ [illegible]
[illegible]स्यतनस्य[illegible]। [illegible]
[illegible]मान्विस्मास्तु[illegible]॥ १५॥

612

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

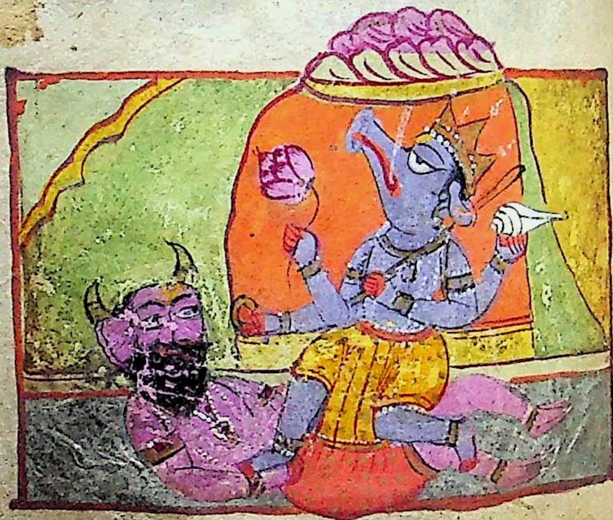
[illegible]

क्षिप्रं प्रसूते भवेत् ॥ १७ ॥ सुप्रदमा
ममलपूर्तिखं मसूत्रमापः पूर्विसत्रिय
ज्ञा उद्वृक्ष मा यं पूर्विसत्रिमचेमस
त्रिम प्रत्रिवक मकामी ॥ २० ॥ विद
यकमत्तुः मचान्द्रमं स्तत्रिविस्वदः
त्रिमेविरस्कृः ममात्रिमपिगस्कृतः ॥

614

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॥





615

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆢𑆼𑆮𑇀𑆪𑆶𑆮𑆳𑆖 𑇈 𑆨𑆓𑆮𑆵𑆩𑆼𑆑𑇀𑆰𑆩𑆳𑆠𑆶
𑆩𑆠𑆳𑆮𑆶𑆢𑇀𑆣𑆶𑆠𑇀𑆠𑆫𑆳𑆢𑇀𑆫𑆤𑇅𑆠𑆢𑇀𑆑𑆴𑆁𑆑𑆢𑇀𑆫𑆬𑆴𑆥𑇀𑆪𑆼
𑆫𑆴𑆁𑆮𑆴𑆪𑇀𑆪𑆼𑆫𑆤𑆳𑆪𑆩𑆴𑆑𑆼𑆯𑆮 𑇈 𑇐 𑇈 𑆯𑇀𑆫𑆳𑆩𑆴
𑆯𑆶𑆬𑆼𑆮𑆮𑆳𑆑𑆼𑆤𑆮𑆢𑇀𑆣𑆴𑆁𑆩𑆼𑆢𑆪𑆨𑆵𑆮𑆯𑆼𑇅𑆠
𑆩𑆑𑆼𑆁𑆮𑆯𑆴𑆮𑆴𑆢𑇀𑆣𑆴𑆢𑆪𑆼𑆤𑆯𑆶𑆪𑆼𑆢𑆩𑆨𑇀𑆫𑆪𑆳
𑆩𑆵 𑇈 𑇗 𑇈 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆨𑆓𑆮𑆳𑆤𑆶𑆮𑆳𑆖 𑇈 𑆬𑆾𑆑𑆼𑆯

616

सः कर्म सर्वः प्रकृतिजैर्गुणैः ॥ ५ ॥
कर्मेन्द्रियाणि संयम्य य आस्ते मनसा स्म-
रन् । इन्द्रियार्थान्विमूढात्मा मिथ्याचा-
रः स उच्यते ॥ ६ ॥ यस्त्विन्द्रियाणि
मनसा नियम्यारभतेऽर्जुन । कर्मेन्द्रियैः
कर्मयोगमसक्तः स विशिष्यते ॥ ७ ॥

618 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१७ [illegible]

[illegible] ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ११ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १२ ॥ [illegible]

620

सिभुसिवभृतेभसुतेभचकिल्बिषैः।
कुसूतेतेद्वयंपर्ययेपमतृन्का
त्वा॥ ०३॥ स्वस्थवत्तिकृतविप
लवाभवभसुवः। यस्तुस्थवत्तिपलवै
यस्तुःकत्रभभस्थवः॥ ०४॥ कञ्चै
कैस्थवंविद्धिवृस्नदुभभस्थवा।

ठ.
गी.
७
ठ.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

622

[illegible]

[illegible]

॥ ०५ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०७ ॥ [illegible]

[illegible]

ठ. मी. ७ ०१०

623

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ११ ॥ [illegible]

624

625

626 𑆑𑆫𑇀𑆠𑆳𑆲𑆩𑆴𑆠𑆴𑆩𑆤𑇀𑆪𑆠𑆼 𑇆 𑇒𑇗 𑇆 𑆠𑆠𑇀𑆠𑇀𑆮𑆮𑆴𑆠𑇀𑆠𑆶𑆩

𑆲𑆳𑆧𑆳𑆲𑆾 𑆓𑆶𑆟𑆑𑆫𑇀𑆩𑆮𑆴𑆨𑆳𑆓𑆪𑆾𑆂 𑇆 𑆓𑆶𑆟𑆳

𑆓𑆶𑆟𑆼𑆰𑆶𑆮𑆫𑇀𑆠𑆤𑇀𑆠 𑆇𑆠𑆴𑆩𑆠𑇀𑆮𑆳 𑆤 𑆱𑆘𑇀𑆘𑆠𑆼 𑇆 𑇒𑇘

𑆨. 𑇆 𑆥𑇀𑆫𑆑𑆸𑆠𑆼𑆫𑇀𑆓𑆶𑆟𑆱𑆁𑆩𑆷𑆞𑆳𑆂 𑆱𑆘𑇀𑆘𑆤𑇀𑆠𑆼 𑆓𑆶𑆟

𑆓𑆵. 𑆑𑆫𑇀𑆩𑆱𑆶 𑇅 𑆠𑆳𑆤𑆑𑆸𑆠𑇀𑆱𑇀𑆤𑆮𑆴𑆢𑆾𑆩𑆤𑇀𑆢𑆳𑆤𑇀𑆑𑆸𑆠𑇀𑆱𑇀𑆤𑆮𑆴𑆤𑇀

𑇓

𑇐𑇓 𑆮𑆴𑆖𑆳𑆬𑆪𑆼𑆠𑇀 𑇆 𑇒𑇙 𑇆 𑆩𑆪𑆴 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆳𑆟𑆴

628

[illegible] ॥ ७१ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ७३ ॥ [illegible]

ठ· [illegible]

गी· [illegible]

७ [illegible]

०७४ [illegible] ॥ ७४ ॥ [illegible]

परधर्मात्स्वनुष्ठितात् । स्वधर्मे निधनं श्रेयः
परधर्मो भयावहः ॥ ७५ ॥ अर्जुन
उवाच ॥ अथ केन प्रयुक्तोऽयं पापं चर
ति पूरुषः । अनिच्छन्नपि वार्ष्णेय बला
दिव नियोजितः ॥ ७६ ॥ श्रीभगवा
नुवाच ॥ काम एष क्रोध एष रजोगुण

630

ममस्त्वः। मन्दमर्वैमदपन्मवि
स्तूनमिन्दवैनिन्नमा ॥ ७१ ॥ प्रमेन
श्रियतेवक्रिदघ मज्ञेमलेनम। यधै
न्वेनवतैगन्तुस्थतेनस्मपवउमा
॥ ७३ ॥ स्तुवतंस्तूनमेतेनस्तुविविरि
वैनित्ता। कमक्तुपन्नकैत्तुयमध्रा

ठः
गीः
७
०७५

631

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

632

विदुर्ब्रह्म परं भवः। भक्तास्तु परां

विदुर्दैवतं परमम्॥ २७॥ [illegible]

र्दुः परं ब्रह्म अध्यात्मं [illegible]

[illegible] मदारविन्दैकमतिं परं [illegible]

[illegible]॥ २७॥ इति श्रीभगवद्गीता

सूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे

भ॰ गी॰ ७ ६१३

633

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

634

भ. गी. ४ ७१

न महता योगो नष्टः परन्तप ॥ २ ॥ स
एवायं मया तेऽद्य योगः प्रोक्तः पुरातनः ।
भक्तोऽसि मे सखा चेति रहस्यं ह्येतदुत्तम
म् ॥ ३ ॥ अर्जुन उवाच ॥ अपरं भ
वतो जन्म परं जन्म विवस्वतः । कथमेतद्वि
जानीयां त्वमादौ प्रोक्तवानिति ॥ ४ ॥

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆨𑆓𑆮𑆳𑆤𑆶𑆮𑆳𑆖 𑇆 𑆧𑆲𑆷𑆤𑆴 𑆩𑆼 𑆮𑇀𑆪𑆠𑆵𑆠𑆳𑆤𑆴 635
𑆘𑆤𑇀𑆩𑆳𑆤𑆴 𑆠𑆮 𑆖𑆳𑆫𑇀𑆘𑆶𑆤 𑇅 𑆠𑆳𑆤𑇀𑆪𑆲𑆁 𑆮𑆼𑆢 𑆱𑆫𑇀𑆮
𑆳𑆟𑆴 𑆤 𑆠𑇀𑆮𑆁 𑆮𑆼𑆠𑇀𑆡 𑆥𑆫𑆁𑆠𑆥 𑇆 𑇕 𑇆 𑆃𑆘𑆾𑆥𑆴 𑆱
𑆤𑇀𑆤𑆮𑇀𑆪𑆪𑆳𑆠𑇀𑆩𑆳 𑆨𑆷𑆠𑆳𑆤𑆳𑆩𑆵𑆯𑇀𑆮𑆫𑆾𑆥𑆴 𑆱𑆤𑇀 𑇅 𑆥𑇀𑆫𑆑𑆸
𑆠𑆴𑆁 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆩𑆣𑆴𑆰𑇀𑆜𑆳𑆪 𑆱𑆁𑆨𑆮𑆳𑆩𑇀𑆪𑆳𑆠𑇀𑆩𑆩𑆳𑆪𑆪𑆳 𑇆
𑇖 𑇆 𑆪𑆢𑆳 𑆪𑆢𑆳 𑆲𑆴 𑆣𑆫𑇀𑆩𑆱𑇀𑆪 𑆓𑇀𑆬𑆳𑆤𑆴𑆫𑇀𑆨𑆮𑆠𑆴

636

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

637

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

639

एवं ज्ञात्वा कृतं कर्म पूर्वैरपि मुमुक्षुभिः।
कुरु कर्मैव तस्मात्त्वं पूर्वैः पूर्वतरं कृतम्।
॥७५॥ किं कर्म किमकर्मेति कवयोऽप्यत्र
मोहिताः। तत्ते कर्म प्रवक्ष्यामि यज्ज्ञात्वा
मोक्ष्यसेऽशुभात्॥७६॥ कर्मणो ह्यपि
बोद्धव्यं बोद्धव्यं च विकर्मणः। अकर्मणश्च

640

[illegible]

कमठ्ला अङ्कं विहङ्ग भ्रुवि गमुयः।
कम्र ह्र छिम्र वक्त्रोपि वैवकिङ्किङ्कैतेभः
॥७०॥ किमसीदत्तमित्तुं ह्रुत्रा भव
पगिगुरुः। मणीगं केवलं कमत्रापत्र
प्रेतिकिल्निपमा ॥७०॥ पमच्छल
नभत्रुष्टुङ्कुन्त्रीतेविमङ्क्षः। भमश्रि

642

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

644

क॰
मी॰
र
०१३

645

ते: ॥ ६७ ॥ अथ गोविषदानमः पु
त्र[illegible] वृष[illegible] कृति । अथ धेनुं यश्च वि
[illegible] यच्छति पितृकल्मषाः ॥ ६९ ॥ यश्च
सिन्धुमध्ये कुर्वी[illegible]
[illegible]
म ॥ ७० ॥ एवं [illegible] विप्राय यश्च वित्ता

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

०१३

648

[illegible] ||

३१ || [illegible]

[illegible]

विन्दति || ३३ || [illegible]

[illegible] परं [illegible]

[illegible] गच्छति || ३७ || [illegible]

भ. गी. ८ ०१८

649

[illegible]

650 भारत ॥ ४२ ॥ इति श्रीभगवद्गीतासू
पनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्री
कृष्णार्जुनसंवादे कर्मब्रह्मार्पणयोगो नाम
भ. चतुर्थोध्यायः ॥ ॥ अर्जुन उवाच ॥
गी. संन्यासं कर्मणां कृष्ण पुनर्योगं च शंससि ।
५ ०१५ यच्छ्रेय एतयोरेकं तन्मे ब्रूहि सुनिश्चितम्

॥०॥ श्रीभगवानुवाच ॥ अनाश्रितः कर्म
योगस्थ [illegible] । [illegible] कर्म
[illegible] कर्म योगो विधीयते ॥१॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥२
[illegible] योगो [illegible]

652

ताः। एकमप्यास्थितः सम्यगुभयोर्विन्दते
फलम् ॥ ४ ॥ यत्सांख्यैः प्राप्यते स्थानं
तद्योगैरपि गम्यते। एकं सांख्यं च योगं च
यः पश्यति स पश्यति ॥ ५ ॥ संन्यासस्तु
महाबाहो दुःखमाप्तुमयोगतः। योग
युक्तो मुनिर्ब्रह्म नचिरेणाधिगच्छति ॥ ६ ॥

भ॰ गी॰ ५ ०१६

[illegible]

654

[illegible]

656

भ. गी. ५ १७३

कर्तृत्वं न कर्माणि लोकस्य सृजति प्रभुः । न कर्मफलसंयोगं स्वभावस्तु प्रवर्तते ॥ १४ ॥ नादत्ते कस्यचित्पापं न चैव सुकृतं विभुः । अज्ञानेनावृतं ज्ञानं तेन मुह्यन्ति जन्तवः ॥ १५ ॥ ज्ञानेन तु तदज्ञानं येषां नाशितमात्मनः । तेषा

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

०३ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०७ ॥ [illegible]

[illegible] गी. ५ [illegible]

[illegible]

१० ॥ [illegible]

वियद्व्यापिनं । अबुद्धयोगयुक्तानां अप्रम
लक्ष्यमस्तु ते ॥ १० ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ११ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १२ ॥

660

661

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

क्तारं यज्ञतपसां सर्वलोकमहेश्व
रं । सुहृदं सर्वभूतानां ज्ञात्वा मां शा
न्तिमृच्छति ॥ २९ ॥ इति श्रीभगवद्गी
तासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे
श्रीकृष्णार्जुनसंवादे संन्यासयोगो नाम
पञ्चमोऽध्यायः ॥ ॥ श्रीभगवानुवा

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

664 [illegible]

[illegible]

[illegible]

ठ· [illegible]

मी· [illegible]

059 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

666

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

053

667

[illegible]

668

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

बुद्धिग्राह्यमतीन्द्रियम्। वेत्ति यत्र न चै
वायं स्थितश्चलति तत्त्वतः ॥१०॥ यं
लब्ध्वा चापरं लाभं मन्यते नाधिकं ततः।
यस्मिन्स्थितो न दुःखेन गुरुणापि विचा
ल्यते ॥११॥ तं विद्याद्दुःखसंयोगवि
योगं योगसंज्ञितम्। अनिर्विण्णेन चेत

671

672

क० गी० ०३

त्रैयैगैरिविवल्लमेउभ ॥७३॥ संक्षे
ल्पदभूठवाङ्कभं सृद्वभवांवमेपउः
भवमैवक्तियगूणंविनियस्नभरुउः
॥७४॥ सर्वैः सर्वैरूपमेस्तुहूपउ
गठीउयः स्तुद्भमंस्तंभवः तद्वाकि
क्षिरूपिमित्तुयेतां ॥७५॥ यैउयैउ

673

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

674

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥𑇓𑇐॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥𑇓𑇑॥
[illegible]
[illegible]

676

[illegible] ॥ ७७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥

७८ ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ७९ ॥

भ. गी. ०३३

678

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ३७ ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

680

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ठ. [illegible]

मी. [illegible]

०७. [illegible]

681

682 ह्रुं श्रीं ठ क्लूं ह्रां कं भं वं कं ह्रूं अं यं भं यें गं

रं भ य मुं ह्र घः ॥ ॥ श्रीभगवान्दा

स ॥ मद्यन्भक्ता भन्त्रः पञ्च यें गं घ ह्रूं म

ठ॰ स्वमुघः । स्रंभं म यं भ न ह्रूं भं यं घ ह्रूं

मी॰ मिउक्रूं ज ॥ ० ॥ ह्रूं नं ऊं ह्रं अविह्रूं वमि

१ ० ७ ० मं वह्र स्रुं मं यं ठः । य ह्रूं ह्रूं वं नं कं यें ह्रूं

683

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

684

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ठ॰ [illegible]

गी॰ [illegible]

७

०७३ [illegible]

[illegible] 687

[illegible] ॥ ०३ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०८ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०५ ॥ [illegible]

688

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

692

[illegible]
[illegible]
[illegible]
ठ· [illegible]
गी· [illegible]
१
०७० [illegible]

693

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

भेषुण्यः ॥ ॥ अर्जुन उवाच ॥ किं
तु ब्रह्म किमध्यात्मं किं कर्म पुरुषोत्तम । अ
धिभूतं च किं प्रोक्तमधिदैवं किमुच्यते ॥१॥
अधियज्ञः कथं कोऽत्र देहेऽस्मिन्मधुसूदन ।
प्रयाणकाले च कथं ज्ञेयोऽसि नियतात्म
भिः ॥२॥ श्रीभगवानुवाच ॥ अक्षरं ब्र

ठ. गी. ५ ०७१

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

696

ंसयः ॥५॥ यंयंवापिस्मरन्भावंत्य
जत्यन्तेकलेवरम् । तंतमेवैतिकौन्तेयस
दातद्भावभावितः ॥६॥ तस्मात्सर्वेषुका
लेषुमामनुस्मरयुध्यच । मय्यर्पितमनोबु
द्धिर्मामेवैष्यस्यसंशयः ॥७॥ अभ्यासयो
गयुक्तेनचेतसानान्यगामिना । परमंपुरुषं

ठ.
गी.
३
०७५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

699

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆓𑆳𑆩𑇅 𑆓𑆘𑇀𑆘𑆶 𑆓𑆳𑆩𑆼 𑆧𑆶𑆬𑇀𑆬𑆵𑆪𑆠𑇀𑆠𑆶𑆝𑆽𑆮𑆁𑆧𑆠𑇀𑆠

𑆩𑆁𑆱𑇀𑆬𑆳𑆑𑆼 ॥ 𑇗𑇘 ॥ 𑆑𑇀𑆫𑆶𑆝𑆓𑆷 𑆩𑆱𑇀𑆩𑆳𑆥𑆁𑆪𑆁𑆑𑇀𑆫𑆶𑆝𑇀𑆮

𑆑𑇀𑆫𑆶𑆝𑇀𑆮 𑆧𑆶𑆬𑇀𑆬𑆵𑆪𑆠𑇀𑆠 𑇅 𑆓𑆘𑇀𑆘𑆶 𑆓𑆳𑆩𑆼 𑆥𑆩𑆂 𑆥𑆁𑆑𑇀𑆫𑆶𑆥𑆷𑆜

𑆥𑆝𑆤𑆓𑆓𑆳𑆩𑆼 ॥ 𑇗𑇙 ॥ 𑆥𑆳𑆱𑇀𑆩𑆶𑆩𑆁 𑆠𑇀𑆠𑆶𑆜𑆮𑆽

𑆛𑆽𑆛𑆑𑇀𑆫𑆾𑆛𑆝𑆳𑆘𑇀𑆘𑆳𑆁𑆑𑇀𑆫𑆂 𑇅 𑆪𑆱𑇀𑆩𑆩𑆼𑆖𑆼𑆧𑆑𑇀𑆫𑆾𑆝

𑆧𑆫𑆱𑆶𑆘𑇀𑆘𑆫𑆮𑆴𑆤𑆩𑆸𑆠𑆴 ॥ 𑇘𑇐 ॥ 𑆄𑆛𑆑𑇀𑆫𑆾𑆝𑆳𑆁𑆝

702

ह्रक्रासुमाः फ्रुःपरमं गतिमा।घंपूर्

रविवक्तुंतकुमपरमंमम॥१०॥पूर्

धम्मपरः पजठकुल्लहस्तुरय।यद्

तस्यविक्रत्वियनमचमिसंतउमा॥११॥

ठ०

॥यङ्कल्लेङ्जनकाक्तिमच्वतिंमवयंगि

गी०

३

रःपुयत्नस्यात्रितंकल्लंवहुमिकाउ

१·०

ठ॥१२॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

704

[illegible] ॥७६॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥७७॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥७८॥

ठ॰ गी॰ ३ ७॰७

706

707

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

708 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥१०॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥११॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥१२॥

710

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

7/2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मा ॥ ३३ ॥ येपूर्वस्नेवतः ठक्ताय शून्ये

मूर्याश्रितः । तपिनः सेवकौत्तुयय

त्तुविवृप्रचकमा ॥ ३३ ॥ सदितिभव

यस्नवंत्कैःसधूक्वस । वतुमभाठ

स्वत्तिउत्तुवात्मप्रुवत्तिउ ॥ ३५ ॥ यात्त्रिं

पवृत्तस्नेकादिस्वराः त्तिपिस्रवृत्तः । कृ

क॰ गी॰ ७॰१

[illegible]

716

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

718

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

719

720

सभचस:॥७॥ येभंभत्त्भवांदिंम

वत्तिल्लैकभदेस्वगभा। श्चभश्रुरुश्चभ

त्रुप्यभवपांचैं:प्रभसुरु॥७॥वप्तिद्रु

ठ. नभभ्भैदृ:ढभंभहुंस्भ:सभ:॥स्व

गी. ।पंकु:।पंठवैंठं वैठघंमांठयमेवम॥

०.

१०. रु॥श्वदिंभंभभड्रुक्षिमुपैमांवंयमै

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

722

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ठ· [illegible]

गी· [illegible]

०·

१०० [illegible]

[illegible]

724

725

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०५ ॥

श्रीभगवानुवाच ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ०७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

727

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

729

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

730

[illegible] ॥ 𑇗𑇐 ॥ [illegible]

[illegible] ॥ 𑇗𑇑 ॥ [illegible]

[illegible] ॥ 𑇗𑇒 ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

734

735

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वैकुण्ठम् ॥ ७ ॥ महर्षे यच्छितक्षहं मया

हृष्टुमितियुक्तो यैर्गे स्तुरतै मङ्गं मया

क्ष्णमहेपमा ॥ ८ ॥ श्रीभगवानुवाच ॥

यस्मै पाण्डुपा लिस्मतमैव भक्त्या सः

र्णा विधाविधिर्हि विनादावल्लभतीर्

थ ॥ ९ ॥ यस्मिन्हुत्वप्रकृते रम्भिर्नैम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

740

ष्ठ्यः। सूर्याग्निस्मितासोमवंशजाज्ञालि
ङ्गाध्रुव ॥ १८ ॥ श्रुत्वा वरं ताम ॥ पश्रु
मिः सं श्रुवः स्वरूपं सं अवं श्रुष ऋतु वि
मेधमद्भुवा। ऋज्ञ भीमं कमला म
[illegible] ॥
१५ ॥ [illegible] पश्रामि

742

743

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

744

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥३३॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥३३॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

748

मेवा किम्यापम्कूवत्ति। उघाउवभीत
लैकवीग विमत्तिपङ्गा ह्गकिविङ्गल
त्ति॥ ९५॥ यमम्भूमीर्धुङ्गलवंपङ्
विमत्तिनम्मम्घमभम्कूवेगः। उघेपा
मम्घविमत्तिल्लैकम्भुवाथिपङ्गालिम
भम्कूवेगः॥ ९७॥ लेलिकुमगूभमा

ठ.
गी.
००
११८

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

750

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

752

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ठ· [illegible]

मी· [illegible]

०० ११७ [illegible]

[illegible] ॥ ७१ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ७३ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]

754

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

756

757

किरीटिनं रूपमस्तुमिच्छामि द्रष्टुं सुभुजं तथैव
व। तेनैव चतुर्भुजेन सहस्रबाहो भव
विश्वमूर्ते ॥ २६ ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ मया
प्रसन्नेन तवार्जुनेदं रूपं परं दर्शितमात्म-
योगात्। तेजोमयं विश्वमनन्तमाद्यं यन्मे त्वद-
न्येन न दृष्टपूर्वम् ॥ २७ ॥ न वेदयज्ञा-

758

760

[illegible] ॥५०॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥५१॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥५२॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ५८ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ५५ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

762

[illegible]नामैकादशोऽध्यायः ॥ ॥ अर्जुन उवाच
॥ एवं सततयुक्ता ये भक्तास्त्वां पर्युपासते ।
ये चाप्यक्षरमव्यक्तं तेषां के योगवित्तमाः ॥१॥
श्रीभगवानुवाच ॥ मय्यावेश्य मनो ये मां नित्य-
युक्ता उपासते । श्रद्धया परयोपेतास्ते मे युक्त-
तमा मताः ॥२॥ ये त्वक्षरमनिर्देश्यमव्यक्तं प-

ठ॰ गी॰ ०१ १३०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

764

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

766

768

[illegible] ॥०४॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] विवस्वतः ॥०५॥ [illegible]

ग.

गी.

०३

१३८

[illegible] ॥०६॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

770

ठ॰
गी॰
०३
१३५

[illegible] ॥ ७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ८ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ९ ॥ [illegible]

[illegible]

772

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ३ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

774

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

775

𑆲𑆸𑆢𑆴𑆱𑇀𑆡𑆶𑆠𑆴 𑇆 𑇐𑇘 𑇆 𑆃𑆖𑆼𑆤𑇀𑆢𑇀𑆫𑆴𑆪𑆓𑆶𑆟𑆳𑆠𑆵𑆠𑆁𑆱
𑆖𑆼𑆤𑇀𑆢𑇀𑆫𑆴𑆪𑆮𑆴𑆮𑆫𑇀𑆘𑆴𑆠𑆩𑇀 𑇅 𑆱𑇀𑆮𑆨𑆑𑇀𑆠𑆁𑆨𑆮𑆧𑆤𑇀𑆣𑆽𑆫𑇀𑆮𑆴𑆤𑆴
𑆫𑇀𑆩𑆶𑆑𑇀𑆠𑆁𑆓𑆶𑆟𑆽𑆫𑇀𑆮𑆸𑆠𑆩 𑇆 𑇐𑇙 𑇆 𑆫𑆮𑆴𑆠𑇀𑆠𑆱𑇀𑆮𑆑𑇀𑆫𑆷
𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆁𑆱𑆫𑇀𑆮𑆩𑆼𑆮𑆩 𑇅 𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩𑆫𑆷𑆥𑆩𑆮𑆴𑆘𑇀𑆚𑆼𑆪𑆁
𑆥𑇀𑆫𑆨𑆶𑆁𑆩𑆳𑆠𑇀𑆫𑆴𑆑𑆼𑆩𑆪𑆠𑆾 𑇆 𑇑𑇐 𑇆 𑆱𑇀𑆮𑆮𑆴𑆑𑆬𑇀𑆥𑆁𑆱
𑆑𑆸𑆠𑇀𑆱𑇀𑆤𑆮𑆴𑆑𑆬𑇀𑆥𑆯𑆴𑆮𑆩𑆱𑇀𑆡𑆴𑆠𑆩𑇀 𑇅 𑆑𑆸𑆠𑆑𑆸𑆠𑇀𑆪𑆩𑆠

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ९ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ११ ॥

778

उपद्रष्टानुमन्ता च भर्ता भोक्ता महेश्वरः। प
रमात्मेति चाप्युक्तो देहेऽस्मिन्पुरुषः परः।
॥२३॥ य एवं वेत्ति पुरुषं प्रकृतिं च गुणैः स
ह। सर्वथा वर्तमानोऽपि न स भूयोऽभिजायते
॥२४॥ ध्यानेनात्मनि पश्यन्ति केचिदात्मा
नमात्मना। अन्ये सांख्येन योगेन कर्मयोगेन चा

780

782

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

784

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

790

[illegible]

[illegible] ॥ ७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १० ॥ [illegible]

[illegible]

गी.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

796

798

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ७७ ॥ इति [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ७० ॥ इति श्रीभगवद्गी

तासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्री

कृष्णार्जुनसंवादे मोक्षसंन्यासयोगो नामाध्य

[illegible] संपूर्णः ॥ ॥ श्रीभगवन्त [illegible] ॥

802

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

804

[illegible]

805

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

806

ठ.
मी.
०७
३५३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

807

𑆟𑆠𑆴𑆫𑆤𑇀𑆣𑆫𑆴 । 𑆃𑆤𑆤𑇀𑆠𑆨𑆷𑆠𑇀𑆪𑆽𑆮𑆑𑆿𑆱𑇀𑆠𑆶𑆨𑆑𑆾𑆣𑆳

𑆤𑇀𑆠𑆶𑆟𑆁𑆓𑆝𑆴𑆩𑆳 ॥ 𑇙𑇐 ॥ 𑆝𑆴𑆮𑆴𑆟𑆁𑆮𑆑𑆫𑇀𑆩𑆁

𑆱𑇀𑆮𑆁𑆮𑆱𑆮𑆨𑆳𑆑𑇀𑆫𑆫𑆂 । 𑆑𑆳𑆩𑆂𑆑𑇀𑆫𑆿𑆟𑆱𑆶𑆥𑆤𑇀𑆬𑆽

𑆔𑆱𑇀𑆩𑆳𑆱𑇀𑆩𑆼𑆠𑆑𑇀𑆫𑆶𑆪𑆁𑆠𑆶𑆬𑆼𑆠𑆳 ॥ 𑇑𑇐 ॥ 𑆥𑆠𑆽𑆮𑆴

𑆨𑆑𑇀𑆠𑆂𑆑𑆿𑆱𑇀𑆠𑆶𑆨𑆑𑆾𑆨𑆼𑆱𑇀𑆮𑆫𑆼𑆱𑇀𑆠𑆴𑆡𑆴𑆠𑆫𑆂 । 𑆱𑇀𑆠𑆶𑆩𑆫

𑆝𑆑𑇀𑆫𑆂𑆱𑇀𑆮𑆶𑆥𑆱𑆶𑆠𑆾𑆥𑆳𑆝𑆴𑆥𑆫𑆁𑆓𑆝𑆴𑆩𑆳 ॥ 𑇑𑇑 ॥

810

[illegible]

[illegible] ॥ अर्जुन उवाच ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ० ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ [illegible]

[illegible]

812

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

818

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ [illegible] ॥ १४ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥

१५ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १६ ॥ [illegible]

 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ह. [illegible]

गी. [illegible]

०१ [illegible]

७०० [illegible]

[illegible] ॥ ॥ 𑆃𑆫𑇀𑆘𑆶𑆤 𑆇𑆮𑆳𑆖 ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ० ॥ 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆓𑆮𑆳𑆤𑆶𑆮𑆳𑆖 ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ 𑇑 ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

831

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥१५

833

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥१५॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥१७॥ [illegible]

834

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] 835

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

836

[illegible]

॥ ७५ ॥ [illegible]

[illegible]

ठ· [illegible] ॥ ७६ ॥ [illegible]

गी· [illegible]

०५ ६७३ [illegible] ॥ ७७ ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

8. [illegible]

मी. [illegible]

०३ ९१० [illegible]

[illegible]

[illegible] 𑇆 𑇕𑇔 𑇆 [illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇆 𑇕𑇕 𑇆 [illegible]
[illegible]
[illegible] 𑇆 𑇕𑇖 𑇆 [illegible]
[illegible]

[illegible]

स्तं तु कृ कृ कृतं भया । विश्वैस्तस्मै [uncertain reading]

श्लाघते स्वा मितु घात्रान ॥ १३ ॥ भवतु [uncertain reading]

कृतं कृपः सु गा भेय भंव सः । [illegible] [uncertain reading]

क. सुस्तं भति मुतै पह्लु मितु दितु भा ॥ १४ ॥ [uncertain reading]

गी. भक्तगण ठवग स्तुत्तौ भसू [illegible] [uncertain reading]

७३

५७३ मा भै वेष्मि मनंतै मु [illegible] ॥ [uncertain reading]

847

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

क. [illegible]

गी. [illegible]

03

315 [illegible]

851

[illegible]

852

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]